



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY



सं० 27] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 7, 1979 (आषाढ़ 16, 1901)
No. 27] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 7, 1979 (ASADHA 16, 1901)

इस भाग में भिन्न-भिन्न संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

13
2

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 31 मई 1979

नई दिल्ली-110011, दिनांक 27 मई 1979

सं० ए० 12019/5/74-प्रश्ना० II—अध्यक्ष, संघ लोक सेवा आयोग द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के सं० सं० सर्वग के स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री एम० एस० छावड़ा को 1-6-79 से 31-8-79 तक की अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, इनमें जो भी पहले हो तदर्थ आधार पर वरिष्ठ विश्लेषक के रूप में स्थापनापत्र रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है।

2. श्री एम० एस० छावड़ा, वरिष्ठ विश्लेषक, संघ लोक सेवा आयोग के सर्वग काह्य पद पर प्रतिनियुक्ति पर रहेगे और उनका वेतन वित्त मन्त्रालय के समय-समय पर यथासंशोधित का० ज्ञा० सं० 10 (24)—ई० III/60 दिनांक 4-5-61 में उल्लिखित उपबन्धों के अनुसार विनियमित होगा।

एम० बालचन्द्रन,
अवर सचिव,
कृते अध्यक्ष
संघ लोक सेवा आयोग

सं० ए० 12019/2/75-प्रश्ना० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित सहायक अधिकारियों (हालस्थ) को 2-6-1979 से 31-8-1979 तक की अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर अनुभाग अधिकारी (त० सं०) के पद पर स्थापनापत्र रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एस० पी० वंसल
2. श्री वी० आर० गुप्त
3. श्री एम० एम० जर्मा

सं० ए०-12019/2/78-प्रश्ना० II—सचिव, संघ लोक सेवा आयोग एतद्वारा इस कार्यालय के निम्नलिखित स्थायी अनुसन्धान सहायकों (हिन्दी) को उसके नाम के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिए या आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, तदर्थ

आधार पर कनिष्ठ अनुसन्धान अधिकारी (दिल्ली) के पदों पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करने हैं।

क्रम सं०	नाम	अवधि
1.	श्रीमती सुधा भार्गव	2-6-79 से 31-8-79 तक
2.	श्री चन्द किरण	2-6-79 से 31-8-79 तक
3.	श्री जे० एन० एस० व्यागी	28-5-79 से 27-8-79 तक

एस० बालचन्द्रन,
अवर सचिव,
होने सचिव

गृह मन्त्रालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 जून 1979

सं० 14029/7/79-एन० ई०-II—इस मन्त्रालय की तारीख 22 फरवरी, 1979 की अधिसूचना संख्या 14019/7/79-एन० ई०-II के क्रम से, राष्ट्रपति उत्तर पूर्वी परिषद सचिवालय, शिलांग में श्री एच० गुहा की सलाहकार (पञ्च-पालन) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्ति की अवधि वर्तमान शर्तों पर 31 दिसम्बर, 1979 तक बढ़ाते हैं।

एस० एस० परमार,
अवर सचिव (सी०आई०)

कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग
(केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो)

नई दिल्ली-1, दिनांक 15 जून, 1979

सं० ए-19014/3/78-प्रशासन-5—राष्ट्रपति द्वारा गृह मन्त्रालय के केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के अधीनस्थ अधिकारी श्री एस० के० चमवाल को दिनांक 1-6-78 से दिनांक 16-8-78 (पूर्वाह्न) तक को अवधि के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में तदर्थ आधार पर स्थापित पदातिता अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जी० ए० शाहसी,
प्रशासनिक अधिकारी (स्था०)

महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 जून 1979

सं० प्रो० दो० 1032/75-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योत्सना शर्मा को

29-5-79 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, उनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 18 जून 1979

सं० प्रो० दो० 1100/78-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) मंगला राजन को 5-6-79 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिए अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक उनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
महायक निदेशक
(प्रशासन)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 12 जून 1979

सं० 11/1/78-प्रशा०-1—राष्ट्रपति, इस कार्यालय की तारीख 21 फरवरी, 1979 की समसंख्यक अधिसूचना के अनुक्रम में केन्द्र में जनगणना कार्य निदेशक के कार्यालय में अन्वेषक श्री एस० जयशंकर को उसी कार्यालय में महायक निदेशक, जनगणना कार्य (नकलकी) के पद पर, पूर्णतः अस्थायी और तदर्थ नियुक्ति की अवधि को तारीख 1 अप्रैल 1979 से तारीख 10 अप्रैल, 1979 तक बढ़ाते हैं। श्री जयशंकर का मुख्यालय विवेन्द्रम में होगा।

पी० पद्मनाभ,
भारत के महापंजीकार

Division. 101,
Acc. No.
Date of
Call No.
Processed
Date of Transfer

दिनांक 15 मई 1979

सं० प्रो० आदेश प्रशासन-III/79/23 (क) (2) — डाक-वायु सेवा परीक्षा समूह के स्थायी सेवा परीक्षाधिकारी श्री रा० एल० चौधरी ने क नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन लि० (भारत सरकार का उद्यम) में लोकहित में दिनांक पहली अप्रैल 1978 में स्थायी सेवा प्रिलयन होने पर उसको के० सं० (पेंशन) निवृत्तियों, 1972, के नियम 37 की शर्तों के अनुसार स्थायी सेवा में नियुक्त किया जाता है।

लक्ष्मण सिंह,
मयुक्त निदेशक (मुख्यालय)

रक्षा लेखा विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1979

सं० 40011(1)/76/प्रशा०-II—निम्नलिखित लेखा अधिकारी, अपनी सेवानिवृत्ति आय प्राप्त कर लेने पर, प्रत्येक के सामने लिखी तारीख के अपराह्न में, पेंशन स्थापना को अन्तर्गत कर दिए गए थे।

क्र० सं०	नाम रोस्टर संख्या	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तर्गत की तारीख	संगठन
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	आर० एल० जर्मा (ओ/59)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-7-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
2.	बी० पी० आर्या (ओ/216)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-8-78	—उक्त—
3.	ओ० पी० शर्मा (ओ/33)	—उक्त—	31-8-78	—उक्त—
4.	बी० एन० कोहली (पी/118)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-9-78	—उक्त—
5.	एम० एल० छिन्नर (ओ/62)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-10-78	—उक्त—
6.	हरचरन सिंह (पी/299)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-10-78	—उक्त—
7.	पी० एल० भाटिया (पी/169)	—उक्त—	30-11-78	—उक्त—
8.	के० एन० वी० कृष्णन (पी/390)	—उक्त—	31-12-78	—उक्त—
9.	डी० वी० कहल (पी/444)	—उक्त—	31-12-78	—उक्त—
10.	सूरत सिंह (पी/584)	—उक्त—	31-12-78	—उक्त—
11.	राजेन्द्र कुमार (पी/180)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-78	—उक्त—
12.	एल० कल्याणामुन्दरम् (पी/41)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद।
13.	आई० एन० मेठ (ओ/228)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-78	—उक्त—
14.	एम० एम० कपूर (पी/599)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-78	—उक्त—
15.	सी० आर० गांगुली (ओ/138)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-78	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद।
16.	धनन्जय दत्त (पी/84)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-78	लेखा नियंत्रक (फैक्टरी), कलकत्ता।
17.	जी० एम० भाभे (पी/255)	—उक्त—	31-12-78	—रक्षा लेखा नियंत्रक (नीमना) बम्बई।
18.	एस० पद्मानाभन (पी/75)	—उक्त—	31-1-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
19.	के० एम० के० एस० नम्बियार (ओ/262)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य श्रेणी) दक्षिण मद्रास।
20.	ए० एस० राय (पी/88)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-79	लेखा नियंत्रक (फैक्टरी) कलकत्ता।
21.	बी० बी० घोष (पी/89)	—उक्त—	31-1-79	—उक्त—
22.	सुबिन्दर सिंह (पी/438)	—उक्त—	31-1-79	—उक्त—
23.	के० के० बैनर्जी (ओ/265)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-79	—उक्त—
24.	धर्मपाल भल्ला (पी/37)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, पेंशन, इलाहाबाद।
25.	ओ० पी० कम्बल (पी/232)	—उक्त—	31-1-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।

1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
26.	बी० आर० गुप्ता (पी/503)	—उक्त—	31-1-79	—उक्त—
27.	रणधीर सिंह (पी/585)	—उक्त—	28-2-79	—उक्त—
28.	एन० के० कुलकर्णी (पी/164)	—उक्त—	31-1-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य श्रेणी) उत्तर मेरठ।
29.	अमर नाथ (पी/249)	—उक्त—	31-1-79	—उक्त—
30.	के० वी० राघवन (पी/70)	—उक्त—	31-1-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून।
31.	ए० एस० अय्यर (पी/395)	—उक्त—	31-1-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ
32.	एच० वी० एस० चन्द्रा (ओ/121)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-79	—उक्त—
33.	एच० एल० शर्मा (पी/101)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, उत्तरी कमान जम्मू छावनी
34.	जगदीश चन्दर (पी/258)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-79	रक्षा लेखा नियंत्रक उत्तरी कमान जम्मू छावनी।
35.	पी० एल० शर्मा (पी/434)	—उक्त—	28-2-79	—उक्त—
36.	के० परमेश्वरन नायर (ओ/339)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, (नौ-सेना) बम्बई।
37.	टी० एस० रामन (पी/206)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-79	—उक्त—
38.	वी० जी० मंगेकर (पी/297)	—उक्त—	28-2-79	—उक्त—
39.	आर० वेंकटरमानी (पी/110)	—उक्त—	28-2-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना
40.	कुलबीर बंग्गा (पी/244)	—उक्त—	28-2-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, (पेंशन) इलाहाबाद।
41.	अनिल कुमार घोष (पी/154)	—उक्त—	28-2-79	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता।
42.	ए० नरसिंहामूर्ति (पी/125)	—उक्त—	28-2-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य श्रेणी) दक्षिण मद्रास
43.	वी० लक्ष्मीवाराहन (पी/63)	—उक्त—	28-2-79	—उक्त—
44.	टी० कोदण्णाण (ओ/298)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-79	—उक्त—
45.	ए० के० दास (पी/332)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, पटना
46.	संतोष कुमार सेनगुप्त (पी/18)	—उक्त—	28-2-79	लेखा नियंत्रक (फैक्ट्री) कलकत्ता।
47.	श्री राम भार्गव (ओ/116)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-79	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून।
48.	जगदेव पाल मेहरा (पी/428)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-79	—उक्त—
49.	के० वी० वर्गीस (पी/380)	—उक्त—	28-2-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (अधिकारी) पूना-1

2. इस विभागीय अधिसूचना संख्या 40011(2)/78/प्रशा-क दिनांक 5-8-78 में पैरा 2 के रूप में निम्नलिखित जोड़ा जाता है:—

“श्री प्रेम चन्द्र शर्मा, स्थायी लेखा अधिकारी (पी/645) को रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ छावनी द्वारा दिनांक 4-5-78 से 31-8-78 तक 120 दिन की सेवानिवृत्ति पूर्व छुट्टी प्रदान की गई है।”

3. केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 40 (1) के उपबन्ध के अधीन स्वेच्छा से दिनांक 14-8-1978 (अपराह्न) से सेवानिवृत्त होने के लिए दिनांक 15-5-78 (अपराह्न) से तीन माह का सूचना दिए जाने तथा रक्षा लेखा महानियंत्रक, नई दिल्ली द्वारा उक्त सूचना स्वीकृत किए जाने के फलस्वरूप, श्री टी० के० महप्रबुद्धि, स्थायी लेखा अधिकारी (पी/433) जो कि भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड, पावर प्रोजेक्ट तथा सेवा मुख्यालय, नई दिल्ली में गतिविधित्व पर थे तथा जो

रक्षा लेखा विभाग में प्रत्यावर्तित होने पर उक्त कार्यालय में दिनांक 25-6-1978 (अपराह्न) को कार्यभार में मुक्त हुए थे, दिनांक 14-8-1978 (अपराह्न) से सेवानिवृत्त हो गए हैं तथा वे दिनांक 15-8-1978 (पूर्वाह्न) से पेंशन स्थापना को स्थानान्तरित कर दिए गए हैं।

वे रक्षा लेखा नियंत्रक अधिकारी, पूना द्वारा दिनांक 26-6-1978 (अपराह्न) में उपस्थित रजिस्टर में ले लिए गए हैं तथा उन्हें उक्त कार्यालय द्वारा दिनांक 26-6-1978 से 8-8-1978 (44 दिन) तक अर्जित छुट्टी तथा दिनांक 9-8-1978 से 14-8-1978 (6 दिन) तक अर्ध वेतन छुट्टी प्रदान की गई है। छुट्टी की यह अवधि सूचना-अवधि के साथ साथ चलेगी।

एस० एन० चट्टोपाध्याय,
रक्षा लेखा उप महानियंत्रक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आईनेम्स फैक्टरियां सेवा

आईनेम्स फैक्टरियां बोर्ड

कलकत्ता, दिनांक 11 जून 1979

सं० 32/79/जी०—राष्ट्रपति, श्री रवी कुमार पाल जे० डी० को सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) के पद पर दिनांक 6 जनवरी, 1979 में नियुक्त करते हैं।

सं० 33/79/जी०—राष्ट्रपति, श्री तपस कुमार दत्ता को सहायक प्रबन्धक (परखावधि पर) के पद पर दिनांक 6 जनवरी, 1979 में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 जून 1979

सं० 31/79/जी०—राष्ट्रपति जी भारतीय आईनेम्स फैक्टरियां सेवा से श्री एम० एच० चन्द्रन् स्थानापन्न उप-महा प्रबन्धक (मौलिक एवं अस्थाई प्रबन्धक) का त्यागपत्र दिनांक 25-11-78 (अपराह्न) से स्वीकृत करते हैं।

बी० के० मेहता,
सहायक महानिदेशक

वाणिज्य, नागरिक आपूर्ति एवं महानगरिता मंत्रालय
(वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 जून 1979

आयात एवं निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1302/79-प्रशासन (राज)/4457—राष्ट्रपति, श्री पी० एम० ए० हकीम, भारतीय प्रशासनिक सेवा (महा-राष्ट्र) 1969 को 7 मई, 1979 के दोपहर पूर्व से अगला आदेश होने तक बम्बई में संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० वेंकटरामन,
मुख्य नियंत्रक

नई दिल्ली, दिनांक 15 अप्रैल 1979

सं० 6/1261/78-प्रशासन (राज०)/4376—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या-6/126/78-प्रशासन-

(राज०) 1092, दिनांक 31 जनवरी, 1979 का आंशिक संशोधन कर, संयुक्त मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात के कार्यालय, बम्बई में स्थानापन्न नियंत्रक, आयात-निर्यात, श्री के० एस० सहस्रानमन को सेवा निवृत्ति से पूर्व अवकाश से लौटने के पश्चात् 12 दिसम्बर, 1978 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से स्वेच्छापूर्वक सेवा निवृत्त होने की अनुमति दी गई थी।

2. यह कार्यालय अधिसूचना संख्या-6/1261/78-प्रशासन (राज०)/1092, दिनांक 31 जनवरी, 1979 का अधिक्रमण करता है।

राजिन्दर सिंह
उप मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात
कृते मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 8 मई, 1979

सं० 12(347)/62-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, गोहाटी के श्री एम० ए० बारी, उप निदेशक (आई० एम० टी०) को दिनांक 6 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) में लघु उद्योग सेवा संस्थान, मोलन में ग्रेड-II, (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के रूप में तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 मई 1979

सं० 12(71)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—राष्ट्रपति, श्री के० एल० पालित, उप निदेशक (यांत्रिक) के रूप में स्थाई अधिकारी तथा क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, कलकत्ता में तदर्थ निदेशक, ग्रेड-II (धातुकर्म) को दिनांक 31 दिसम्बर, 1978 (अपराह्न) में निवृत्त की आयु प्राप्त करने पर सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते हैं।

सं० 12(83)/61-प्रशासन (राजपत्रित)—आई० टी० ई० सी० प्रोग्राम के अधीन भिचलस में विशेषज्ञ के रूप में दो वर्ष की अवधि के लिये प्रतिनियुक्ति होने पर, श्री एफ० ए० रयान ने दिनांक 27 अप्रैल, 1979 (अपराह्न) में क्षेत्रीय परीक्षण केन्द्र, मद्रास में निदेशक ग्रेड-II (सामान्य प्रशासनिक प्रभाग) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० 12(380)/62-प्रशासन (राजपत्रित) —रसायन तथा उर्वरक विभाग, पेट्रोलियम, रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, नई दिल्ली में परियोजना अधिकारी (उर्वरक) के रूप में नियुक्ति होने पर श्री जे० बालसुब्रमनियन ने दिनांक 6 अप्रैल, 1979 (अपराह्न) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, बंगलूर में उप निदेशक (रसायन) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए० 19018/318/77-प्रशासन (राजपत्रित)— योजना आयोग में वरिष्ठ अन्वेषण अधिकारी के पद पर तैनाती होने पर, श्री एस० एन० राघवन ने दिनांक 30 अप्रैल, 1979 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (लघु उद्योग) के कार्यालय, नई दिल्ली में उप निदेशक (सांख्यिकी) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ए०-19018/370/78-प्रशासन (राजपत्रित)— राष्ट्रपति, श्री जोगिन्दर कुमार आर्य को दिनांक 17 मार्च, 1979 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक, शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, राउरकेला में उप निदेशक (यांत्रिक) के रूप में नियुक्त करते हैं।

महेन्द्र गुप्त,
उप निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय
(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1979

सं० प्र०-1/1(1139)/79—महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान एतद्वारा आफिसर कमांडिंग, ए० एफ० एम० एस० डी०, बम्बई के कार्यालय के अस्थाई भण्डार अधिकारी (सिविलियन) (स्थाई एम० एस० एस०) श्री वी० पी० टंडन को दिनांक 26 मई, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक पूर्ति (ग्रेड 2) के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 जून 1979

सं० प्र०-1/42(25)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशक एतद्वारा निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से पद के मद्दे स्थाई रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	पद जिसके मद्दे	पूर्ण की
तथा पद		स्थाई नियुक्त किया गया	तारीख
1	2	3	4
सर्वश्री			
1.	जे० एल० शाह, सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) निरीक्षण निदेशालय, कलकत्ता	सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II)	1-3-78

1	2	3	4
2.	जी० डी० राश्री, सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड II) पू० तथा नि० नि०, बम्बई	सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II)	1-6-78

दिनांक 15 जून, 1979

सं० प्र०-1/1(888)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय में सहायक निदेशक (मुकदमा) श्री सुधीर चन्दा को दिनांक 4-6-79 के पूर्वाह्न से तथा आगामी आदेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय में सहायक निदेशक (मुकदमा) ग्रेड 1 के रूप में अस्थाई रूप से अस्थाई पद के मद्दे नियुक्त करते हैं।

कृष्ण किशोर,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग 6)

नई दिल्ली, दिनांक 8 जून 1979

सं० प्र० 6/247(580)—राष्ट्रपति, भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए की धातुकर्म शाखा के ग्रेड 3 में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) श्री एस० के० पाण्डे को दिनांक 14 जुलाई, 1977 से आगामी आदेशों के जारी होने तक भारतीय निरीक्षण सेवा, ग्रुप ए की धातुकर्म शाखा के ग्रेड-2 में उप निदेशक निरीक्षण (धातु) के पद का स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

2. श्री एस० के० पाण्डे ने निरीक्षण निदेशक (धातु) टाटानगर कार्यालय के अधीन उप निदेशक (धातु) राउरकेला के कार्यालय में 13-7-77 के अपराह्न से सहायक निरीक्षण (धातु) का कार्यभार छोड़ दिया और दिनांक 14 जुलाई, 1977 के पूर्वाह्न से बर्नापुर निरीक्षणालय के अधीन दुर्गापुर में उपनिदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार संभाल लिया है।

पी० डी० सेठ
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

विस्फोटक सामग्री विभाग

नागपुर, दिनांक 11 जून 1979

सं० ई-II(7):—इस विभाग के दिनांक 11 जुलाई, 1979 की अधिसूचना सं० ई-II(7) में वर्ग 2—नाइट्रेट मिश्रण के अधीन “अल्फाडाईन” प्रविष्टि के पश्चात् “अमेक्स” जोड़ा जाये।

इंगुव नरसिंह मूर्ति
मुख्य विस्फोटक नियंत्रक

इस्पान और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 12 जून, 1979

सं० 3270बी/ए-19012 (एम० पी० एस०)/78-19 ए—श्री मोहिनंदर पाल मिह को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 650 रु० प्रतिमाह के प्रारम्भिक वेतन पर 650-30-740-35-810-६० री०-35-880-40-1000-६० री०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 26 मार्च, 1979 के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० 3283 बी/ए 32013 (1-सहायक भूवैज्ञानिक)/78-19 ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान) श्री दुर्गा प्रसाद दास को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-६० री०-35-880-40-1000-६० री०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न क्षमता में, आगामी आदेश होने तक 2 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

बी० एस० कृष्णस्वामी,
महानिदेशक

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 16 जून 1979

सं० ए० 19011/233/78-स्था० ए—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश से राष्ट्रपति श्री सी० पी० अम्बेसे को दिनांक 5 मई 1979 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में उप खान नियंत्रक के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एम० बालगोपाल,
कार्यालय अध्यक्ष,
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 11 जून 1979

सं० सी०-5513/718-ए—श्री के० बी० कृष्णामूर्ति, स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षक (700-900 रु० के वेतनमान में) प्राक-प्रदर्शी मानचित्र उत्पादन संयंत्र, को के० सी० भट्टाचार्य स्थापना एवं लेखाधिकारी, प्राक-प्रदर्शी मानचित्र संयंत्र, के तारीख 1 फरवरी, 1979 से दो माह के अवकाश पर चले जाने पर, उसी कार्यालय में 1 फरवरी, 1979 से 840-40-1000 रु० री०-40-1200 रु० के वेतनमान में स्थापना एवं लेखाधिकारी (मा० के० से० ग्रुप 'बी०') के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है।

किशोरी लाल खोसला
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक
नियुक्ति प्राधिकारी

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1979

सं० 10/8/78-एम० तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री राजीव गर्ग को, दिनांक 26 अप्रैल, 1979 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेशों तक, आकाशवाणी, गोरखपुर में अस्थायी आधार पर, सहायक अभियन्ता के पद पर नियुक्त करते हैं।

जनक राज लिखी,
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 30 मई 1979

सं० ए -19016(17)78-एस०-1—महानिदेशक दूरदर्शन एतद्वारा श्री एस० के० कौशल, प्रसारण निष्पादक, दूरदर्शन केन्द्र लखनऊ को 7 जनवरी, 1979 (अपराह्न) से अग्रेतर आदेशों तक उसी केन्द्र में अस्थायी आधार पर कार्यक्रम निष्पादक के पद पर नियुक्त करते हैं।

एच० सी० जयाल,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1979

सं० ए० 12026/23/78-(एम० डी०) प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक के महालेखाकार, मणिपुर, इम्फाल के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद पर कार्य कर रहे श्री ए० के० दत्ता को 31 मार्च, 1979 अपराह्न से आगामी आदेशों तक भारत सरकार के सीरम विज्ञानी तथा रसायन परीक्षण के कार्यालय, कलकत्ता में लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है।

2. मुख्य लेखापरीक्षक दक्षिण पूर्वी रेलवे, कलकत्ता के कार्यालय में अपना परावर्तन हो जाने पर श्री के० सी० जाना ने 31 मार्च, 1979 अपराह्न से भारत सरकार के सीरम विज्ञानी तथा रसायन परीक्षक के कार्यालय में लेखा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1979

सं० ए० 32014/1/79-भण्डार-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री रतन सिंह को 23 अप्रैल, 1979 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक सरकारी चिकित्सा गाम्भी भण्डार,

करनाल में सहायक डिपो मैनेजर (ग्रुप बी राजपत्रित) के पद पर अस्थाई आधार पर नियुक्त किया है।

एस० के० कथिक,
उप-निदेशक प्रशासन

की अवधि के लिये, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी II नियुक्त करते हैं।

कु० एच० वी० विजयकर,
उप-स्थापना अधिकारी

भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 4 अप्रैल 1979

सं० पी०ए०/73(13)/78-आर० 4--निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, डा० (श्रीमती) चन्द्रप्रभा मत्तप्रकाश मित्तल को, इस अनुसन्धान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में 7 मार्च 1979 के पूर्वाह्न से 5 अप्रैल 1979 के अपराह्न तक बिल्कुल अस्थाई रूप से निवासी चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 6 अप्रैल 1979

सं० पी०ए०/73(16)/78-आर०-4--निदेशक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, डा० (श्रीमती) अमृता मिसरी को, इस अनुसन्धान केन्द्र के चिकित्सा प्रभाग में, 4 अप्रैल 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक, अस्थाई रूप से निवासी चिकित्सा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन
उप-स्थापना अधिकारी (आर०)

बम्बई 400085, दिनांक 18 मई 1979

सं० 5/1/79-स्थापना 11/1906--नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, निम्नलिखित अधिकारियों को उनके नामों के आगे लिखी अवधि के लिये, तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम तथा पद	स्थानापन्न नियुक्ति	अवधि	
			से (पूर्वाह्न)	तक (अपराह्न)
1.	श्री के० एस० रावत, सुरक्षा अधिकारी	महायक सुरक्षा अधिकारी	27-7-77	23-9-77
2.	श्री डी० एन० प्रधान, सुरक्षा अधिकारी	महायक सुरक्षा अधिकारी	6-8-77	14-9-77
			17-9-77	10-11-77

दिनांक 23 मई 1979

सं० 5/1/79-स्थापना 11/1958--नियंत्रक, भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र, श्री एस० डी० भोंसले, सहायक लेखा अधिकारी को, दिनांक 18-12-1978 से 20-1-1979

परमाणु ऊर्जा विभाग

विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

मुम्बई-5, दिनांक 27 अप्रैल 1979

सं० पी० पी० ई० डी/3(283)/76-प्रशासन/7488-- इस प्रभाग की तारीख 1 मार्च, 1979 की सभ्यस्यक अधिसूचना जिसके अन्तर्गत भाभा परमाणु अनुसन्धान केन्द्र के स्थाई उच्च श्रेणी लिपिक तथा इस प्रभाग के स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री पी० बसु को 26 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्न से 18 अप्रैल, 1979 के अपराह्न तक के लिये इसी प्रभाग में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया गया था, के क्रम में 5 मई, 1979 के अपराह्न तक के लिये उसी पद पर अस्थाई रूप से कार्य करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

दिनांक 19 मई 1979

सं० पी० पी० ई० डी/3(236)/79-प्रशा०/8796-- विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक इस प्रभाग के निम्नलिखित कर्मचारियों को 1 फरवरी, 1979 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए उसी प्रभाग में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड "एस वी" नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	वर्तमान ग्रेड	स्थायी पद यदि कोई है तो
मर्चेश्वरी			
1.	वी० पी० महाजन	नक्शानक्सीम "सी"	—
2.	श्री एस० आर० पेधारकर	—वही—	—
3.	एन० एफ० दास्वाना	वैज्ञानिक सहायक "सी"	वैज्ञानिक सहायक "बी"
4.	एस० एस० अरोड़ा	—वही—	—वही—
5.	एन० पी० पिल्लै	—वही—	स्थायीवत् वैज्ञानिक सहायक 'बी'
6.	श्री एस० दुरैराजन	—वही—	—वही—

दिनांक 4 जून 1979

सं० पी० पी० ई० डी/3(283)/78-प्रशा०/9005-- इस कार्यालय की तारीख 18 अप्रैल, 1979 की अधिसूचना, जिसके अनुसार इस प्रभाग के स्थायी निम्न श्रेणी लिपिक

तथा स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री एन० कृष्ण कुमार को 30 मार्च, 1979 से सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त किया गया था, को देखते की कृपा की जाए श्री कृष्णकुमार, सहायक लेखा अधिकारी को 22 मार्च, 1979 के अपराह्न से सहायक लेखापाल के पद पर प्रयोजित किया जाता है ।

दिनांक 12 जून 1979

सं० पी० पी० ई० डी०/3(262)/76-प्रशासन 9452—
विद्युत प्रायोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक एस्दु-
द्वारा इस प्रभाग के स्थायी प्रवरण कोटि सिपिवि श्री एन०
टी० वारवानी को जून 7, 1979 के पूर्वाह्न से जुलाई 13
1979 तक के लिए उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक अधि-
कारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त करते हैं । यह
नियुक्ति सहायक कार्मिक अधिकारी श्री आर० सारंगपाणी
के स्थान पर की जा रही है जो छुट्टी पर गए हैं ।

ब० वि० धत्ते,
प्रशासन अधिकारी

क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-40001, 13 जून 1979

सं० सं० क्र० सं० नि०/2/1(19)-77 प्रशासन/16117—
निदेशक, क्रय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी० डी०
काण्डपाल, सहायक भंडार अधिकारी को अवकाश स्वीकृत
होने के कारण इस निशालय के अस्थायी भंडारी श्री जी०
सी० गुप्ता को स्थापनापत्र रूप से सहायक भंडार अधिकारी
के पद पर रूपए 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880
40-1000-द० रो० 40 1200 के तन क्रम में दिनांक 14-5-79
से 16-6-1979 तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त
करते हैं ।

सी० बी० गोपालकृष्णन
सहायक कार्मिक अधिकारी

भारी पानी परियोजना

बम्बई-400008, दिनांक 13 जून 1979

सं० भापाप/स्था०/1/जे०-6/1798—भारी पानी परि-
योजना के, विशेष कार्य-अधिकारी श्री जे० एल० जैन, आश्-
लिपिक (वरिष्ठ), भारी पानी परियोजना (कोटा) को उसी
परियोजना में श्री के० टी० जोम, सहायक कार्मिक अधि-
कारी के छुट्टी पर जाने के कारण उनके स्थान पर 14 दिस-
म्बर, 1978 से 9 फरवरी, 1979 तक के लिए तदर्थ
आधार पर अस्थायी तौर पर सहायक कार्मिक अधिकारी
नियुक्त करते हैं ।

आर० सी० कोटियनकर
प्रशासन अधिकारी

रिऐक्टर अनुसंधान केंद्र

कलपास्कम, दिनांक 31 मई 1979

सं० आर० आर० सी०/पी० एफ०/3193/79-8640—
रिऐक्टर अनुसंधान केंद्र के परियोजना निदेशक, परमाणु
ऊर्जा विभाग के केन्द्रीय संवर्ग में राजस्थान परमाणु विद्युत
परियोजना के स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री तिन्दी-
वानम सुन्दरेश विभवनाथन अय्यर को 26 मई, 1979 के
पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए रिऐक्टर अनुसंधान केंद्र
में प्रशासनिक अधिकारी-II नियुक्त करते हैं ।

पी० बी० सोमनाथन
मुख्य प्रशासन अधिकारी
कृते परियोजना निदेशक

पर्यटन तथा नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 15 जून, 1979

सं० ई० (1)00622—भारत मौसम विज्ञान विभाग के
दिल्ली में मौसम विज्ञान के उपमहानिदेशक (उपवरण) श्री
जार्ज एलेक्जेंडर सरकारी सेवा में निवृत्ति की आयु 57 वर्ष होने
पर 31 मई, 1979 के अपराह्न में सरकारी सेवा में
निवृत्त हो गये ।

सं० स्था० (1)04048—भारत मौसम विज्ञान विभाग
के प्रादेशिक मौसम केंद्र, कलकत्ता के निदेशक के कार्यालय
के सहायक मौसम विज्ञानी श्री जी० एन० दास का 3 अप्रैल,
1979 को निधन हो गया ।

गुरुमुखराम गुप्ता
निदेशक

कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1979

सं० ए० 32014/4/78-ई० सी०—महानिदेश नागर
विमानन ने श्री के० एल० कर्माकर, संचार सहायक, वैमानिक
संचार स्टेशन, पटना, को दिनांक 30-4-1979 (पूर्वा)
से नियमित आधार पर सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में
नियुक्त किया है और उन्हें क्षेत्रीय निदेशक दिल्ली के कार्यालय
में तैनात किया है ।

सत्य देव शर्मा
उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 जून 1979

सं० ए० 12026/1/79-ई० एस०—राष्ट्रपति ने भारतीय
वायुसेना के निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानांतरण पर
दिनांक 8-5-79 (पूर्वाह्न) से और अन्य आदेश होने तक

नगर विमानन विभाग में पायलट/सह-पायलट के ग्रेड में प्रतिनियुक्ति के आधार पर नियुक्त किया है जैसा कि उनके नाम के सामने दिया गया है :—

- (i) स्कवाड्रन लीडर जे०जे० जोसफज पजेयलटज
(ii) स्कवाड्रन लीडर के० एस० राणा सह-पायलट

सं० ए० 38013/1/79-ई० ए०—निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री ए० एस० जदेजा, विमानक्षेत्र अधिकारी, सिविल विमानक्षेत्र, राजकोट, दिनांक 31 मई, 1979 (अपराह्न) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

वी० वी० जोहरी,
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 8 जून 1979

सं० 1/83/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा मुख्य कार्यालय, बम्बई के परियात लेखाकार श्री ए० के० वर्मा को अल्पकालिक खाली स्थान पर 16-4-1979 से 17-6-1979 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से परियात लेखा अधिकारी के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1/363/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री ए० एस० फर्नाण्डेज को तदर्थ आधार पर अल्पकालिक खाली जगह पर 15-11-1978 से 11-1-1979 (दोनों दिन समेत) तक की अवधि के लिए और नियमित आधार पर 2 अप्रैल, 1979 से आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/367/79-स्था०—बम्बई शाखा के उप परियात प्रबंधक, श्री आर० एल० मेनेसेस निवर्तन की आयु के हो जाने पर 31 मार्च, 1979 को अपराह्न सेवानिवृत्त हो गए।

दिनांक 11 जून 1979

सं० 1/430/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा देहरादून शाखा के अधीक्षक, श्री नारायण सिंह को 2 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक प्रशासन अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 1/452/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा स्वचन समूह, बम्बई के तकनीकी सहायक, श्री एच० बाल सुब्रह्मण्यन को 4 मई, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक नियमित आधार पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त करते हैं।

पा० कि० गोवन्द नायर
निदेशक (प्रशा०),
कृते महानिदेशक

बम्बई दिनांक, 11 जून 1979

सं० 1/35/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के वरिष्ठ फोरमैन, श्री एम० के० धवन को 2 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक नियमित आधार पर उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से मुख्य यांत्रिक नियुक्त करते हैं।

सं० 1/51/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा श्री उदय कुमार सिन्हा को 16 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक वि० प्र० अनुभाग पूर्ण में अस्थायी रूप से सहायक अभियंता के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० 1/311/79-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा बम्बई शाखा के पर्यवेक्षक, श्री ए० एस० पाएस को एकदम तदर्थ आधार पर अल्पकालीन खाली जगहों पर 1-11-78 से 23-12-78 तक और 21-2-1979 से 31-3-1979 तक की अवधियों के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

एच० एल० मलहोत्रा,
उप निदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

समाहर्तलिय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नागपुर-440001, दिनांक 13 जून 1979

सं० 3/79—श्री बी० बी० पोरे, प्रवरण श्रेणी निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, ने, उनकी अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, श्रेणी "ख" के पद पर पदोन्नति होने पर दिनांक 27-4-1979 के पूर्वाह्न से अधीक्षक, आर० बी० सी० केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रभाग-II नागपुर का कार्यभार संभाल लिया।

एस० के० धर
समाहर्ता

निर्माण महानिदेशक का कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1979

सं० 33/5/78-ई० सी० 9—निर्माण महानिदेशक, के० लो० नि० वि० ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा निम्नलिखित नामितों को सहायक वास्तु के अस्थायी पदों पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000- द०

रो०-40-1200 के वेतनमान में उनके आगे लिखी तारीखों से नियुक्त किया जाता है।

क्र० सं०	नाम	सहायक वास्तुक के पद पर	वेतन	टिप्पणी
	सर्वश्री	नियुक्ति की तारीख	प्रति माह	
1.	एस०एन० सेगल	31-5-79	650/-	इनका वेतन जल्द ही (पूर्वाह्न) नियमानुसार पुनः नियत किया जायेगा
2.	धरम सिंह	21-5-79	650/-	—बही— (अपराह्न)

2. दोनों अधिकारियों को सहायक वास्तुकों के नाते उनकी नियुक्ति से 2 वर्ष की अवधि तक परीक्षा पर रखा जायेगा।

3. श्री एस० एन० सेगल को तैनाती वरिष्ठ वास्तुक (एच० एन्ड टी० पी०) I एकक के० लो० नि० वि० और श्री धरम सिंह की तैनाती वरिष्ठ वास्तुक (खाद्य) VI एकक, के० लो० नि० वि०, नई दिल्ली में की जाती है।

कृष्णा कान्त
प्रशासक उपनिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 13 जून 1979

सं० 27-ई०/टी०(15)/78-ई० सी० II—इस विभाग के श्री के० सी० त्यागी, कार्यपालक इंजीनियर (सिविल) का जून 5, 1979 को देहान्त हो गया। श्री त्यागी निर्माण सर्वेक्षक II के पद पर कार्यालय मुख्य इंजीनियर अरुणाचल प्रदेश, न्यू इटानगर में काम कर रहे थे।

बी० आर० ररतू
उप निदेशक (प्रशासन)
हुते महानिदेशक (निर्माण)

उत्तरी रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक जून 1969

सं० 11—परिचालन एवम विपणन विभाग के निम्न-लिखित अधिकारी उनके नाम के सामने दी गई तिथि से अंतिम रूप से रेल सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

सर्वश्री

1. बी०पी० दूबे, एस०सी० ओ० (जी०) एच 31-1-79 अपराह्न
2. डी० गार० भास्कर, ए० टी० एस०/
ए० एस० आर० 31-1-79 अपराह्न
3. प्रीतम सिंह ए० एस०/पी०सी०/
एच०/क्यू० 31-3-79 अपराह्न

4. टी० आर० ए० प्रकाश एस० एस० दिल्ली 30-4-79 अपराह्न

5. वामन लक्ष्मण डी० एस० ओ०/मुरादा-

बाद 31-5-79 अपराह्न

एच० पी० गुप्ता,
हुते महाप्रबन्धक (कामिक)

मद्रास, दिनांक 12 जून 1979

सं० 3620/लिवि०/560/79—यतः महाराजन एंड कंपनी प्रा० लिमिटेड (इन लिवि०डेशन) जिनका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 176, हाइ रोड, तिरुनेल्वेली में है, का समापन किया जा रहा है।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति-युक्त हेतुक रखता है कि समापना कि वाम संपूर्ण हो चुका है और यह कि लेखा विवरणियों से समापक द्वारा दिये जाने के लिये अपेक्षित है, यह क्रमतः छः मास के लिये नहीं हो गये हैं, अतः जब कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्द्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर महाराजन एण्ड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड (इन लिवि०डेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है, तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और कंपनी विघटित कर दी जायेगी।

या० सत्यनारायण
कंपनियों का सहायक रजिस्ट्रार, मद्रास

विधि, न्याय एवं कंपनी कार्य मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

कंपनी विधि बोर्ड

कंपनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

अहमदाबाद-380009, दिनांक 14 जून 1979

सं० 21/1784/लिवि०डेशन—कंपनी अधिनियम 1956 की धारा 445(2) के अधीन मेसर्स कैथमंगलम चोट फंड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कंपनी अरजी नं० 13/1976 में अहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 20-11-1978 के आदेश द्वारा मेसर्स कैथमंगलम चोट फंड प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का आदेश दिया गया है।

जे० गो० गाथा,
प्रमंडल पंजीयक गुजरात अहमदाबाद

कंपनी अधिनियम 1956, और पांडिचेरी केमिकल्स प्राइ-
वेट लिमिटेड के विषय में।

पांडिचेरी, दिनांक 14 जून 1979

सं० 59—कंपनी अधिनियम 1956 धारा 560 उपधारा (5) की अनुसार एतद् द्वारा यह सूचना दी जाती है कि

पांडिचेरी केमिकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से हटा दिया गया है और उक्त कम्पनी भंग हो गई है।

एस० आर० बी० बी० सत्यनारायना
कम्पनियों का रजिस्ट्रार पांडिचेरी

2236517, 1379554, 1684004 (5) 22818, 39096,
16489, 44720, (6) 15001, 30081, शृंग्य, 26017।

क० न० बुटानी,
आयकर आयुक्त दिल्ली-1, नई दिल्ली

कार्यालय आयकर आयुक्त, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1979

सं० सी० आई० टी० सभन्वय/पब्लि०/दिल्ली-1/77-78/7229—नीचे उन व्यक्तियों तथा हिन्दु अविभक्त परिवारों के नाम की सूची दी गई है जिनका निर्धारण वित्तीय वर्ष 1977-78 के दौरान 10 लाख रुपए से अधिक के धन पर हुआ है।

(एक) में "आई" व्यक्ति की हैसियत का तथा "एच" हिन्दु अविभक्त परिवार का सूचक है तथा (दो) में कर निर्धारण वर्ष (तीन) में विवरणों में दिखायी गया धन (चार) में कर-निर्धारित धन (पांच) में निर्धारितों द्वारा देयकर (छह) में निर्धारितों द्वारा दिया गया कर दिखाया गया है :—

(एक) अंगिरा देवी, 4634, अजमेरी गेट, दिल्ली (1) आई (2) 1970-71, 1971-72, 72-73, 73-74, 74-75 और 75-76 (3) 1313218, 119852, 204250 (—) 551213 (—) 364996 (—) 235761 (4) 1619760, 1500465, 1389459, 1125486, 1293690, 1629775, (5) 26640, 64804, 58731, 23197, 28244, 50342, (6) 26640, 64804, 58731, 23197, 28244, 50342।

(दो) देश राज गुप्ता, 4634, अजमेरी गेट दिल्ली (1) आई (2) 1974-75 (3) 13056 (4) 1263691 (5) 22911 (6) 21458।

(तीन) हरीश कुमार अग्रवाल 40,42, जनपथ, नई दिल्ली (1) आई (2) 1977-78 (3) 1237898 (4) 1297590, (5) 21040 (6) 21040।

(चार) आर० बी० पटेल, मार्फत मोहिन्दर पुरी एंड क० चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स, कनाट प्लेस नई दिल्ली (1) आई (2) 1968-69, 69-70, 70-71, 72-73, (3) 1545069, 1624463, 931700, 1052561 (4) 1790901,

लखनऊ, दिनांक 13 जून 1979

सं० 106—श्री विमल सिंह ह्यांको (एस० टी०) आयकर निरीक्षक, आयकर कार्यालय, नैनीताल को आयकर अधिकारी, वर्ग "ख" के पद पर आफिसिएट करने के लिए ह० 650-30-740-35-810 द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 30-10-1978 के पूर्वार्द्ध में विशेष कार्य अधिकारी, कार्यालय आयकर आयुक्त, लखनऊ के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 107—श्री सिया राम त्रिपाठी, आयकर निरीक्षक आयकर कार्यालय, फतेहपुर को आयकर अधिकारी, वर्ग "ख" के पद आफिसिएट करने के लिये ह० 650-30-740-35-810-द० रो० 35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 30-10-78 के पूर्वार्द्ध में कर वसूली अधिकारी, गोरखपुर के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 108—श्री संगम लाल श्रीवास्तवा, आयकर निरीक्षक, कार्यालय आयकर आयुक्त, इलाहाबाद को आयकर अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर आफिसिएट करने के लिए ह० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने दिनांक 30-10-1978 के पूर्वार्द्ध में आयकर अधिकारी, संग्रह, कार्यालय आयकर आयुक्त, इलाहाबाद के रूप में कार्यभार संभाला।

सं० 109—परमानन्द कन्सल, आयकर निरीक्षक कार्यालय निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त (लेखा परिक्षा) लखनऊ को आयकर अधिकारी वर्ग "ख" के पद पर आफिसिएट करने के लिये ह० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पदोन्नत किया गया है। पदोन्नति पर उन्होंने 8-12-78 अग्रार्द्ध में आयकर अधिकारी का रई सेवक पद लखनऊ के रूप में कार्यभार संभाला।

एस० के० लाल
आयकर आयुक्त, लखनऊ

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

सहायक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यान्वय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून, 1979

निर्देशन सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-III -79/355---

अतः मुझे, डी० पी० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अर्जन बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम० सी० डी० नं० 104 प्लॉट नं० 198 है तथा जो गांव गोडली, आजाद नगर, कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपावट अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री/तर्ती अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-10-1979

को अर्जन समान 10 अर्जन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप में स्थित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी घाब की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री अमर सिंह पुत्र श्री साहिब सिंह गुलशन सिंह बनाम गुरचरण सिंह पुत्र श्री अमर सिंह निवासी ई-3, ईस्ट आफ कलाश, नई दिल्ली। (अन्तरक)।

2. मी० विकास कंस्ट्रक्शन कं० इनके पार्टनर श्री बी० पी० गोयल के द्वारा निवासी एफ० -3/25, कृष्ण नगर, दिल्ली। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, सद्योहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मकान जिसका म्यूनिसिपल नं० 104 है और प्लॉट नं० 198 है जो 300 वर्ग गज के प्लॉट के ऊपर बना है आजाद नगर (नजदीक कृष्ण नगर जो गांव गोडली का एरिया, इलाका शाहदरा दिल्ली-51 है निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व: गली

पश्चिम: सड़क

उत्तर: प्लॉट नं० 196

दक्षिण: प्लॉट नं० 200।

डी० पी० गोयल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, दिल्ली, नई दिल्ली-1।

तारीख: 23-6-1979

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 27 फरवरी, 1979

निर्देश सं० ए० 212/कि० एम० जे०/78-79—अतः

मुझे, रवीन्द्र नाथ बरा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० या अधिक है और जिसकी सं० 14770/91 देशवाना तालुक मो० बाचिल है तथा जो परगना कुशीरकुल मौजा बनामाली में स्थित (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय करीम गंज में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-11-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरक की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाकर गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधिनियम कर दत्त के अन्तरक के वांछित से कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम का धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जोतिनमय साहा, कलकत्ता (अन्तरक)

2. श्री पिजुश कान्ति बानिक, 2. श्री मनोज कान्ति बानिक विक्राम चाव स्कूल रोड़, करीमगंज।

(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 7 (सात) कट्टा (बंगाली) एक पुराना आसाम प्लाइम मकान के साथ जो करीमगंज में कछार (असम) जिले के एम० एम० रोड़ नामक स्थान में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, शिलांग

तारीख: 27-2-1979

मोहर: ॥

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

शिलांग, दिनांक 4 अप्रैल, 1979

निदेश सं० ए० 215/जी० एल० जी०/78-79/2-3—

अतः मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० पी० सं० 1 दाग सं० 437 है तथा जो भांग चौग, मावखोआ मौजा नारागांव, गोलाघाट टाउन में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोलाघाट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) और प्रन्तरिता (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थना :—

1. श्री निरमलेश्वर बालिया, गोलाघाट (अन्तरक)

2. श्री अरुण कुमार हाजारिका, स्व० महेश्वर हाजारिका के पुत्र, कृष्ण नगर, गोलाघाट टाउन के बार्ड नं० 6। (अन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का माप 1 (एक) बिगहा 2 (दो) कट्ठा 10 (दस) लसा जी कृष्ण नगर, गोलाघाट टाउन के माव-खोआ मौजा, शिवसागर जिला (असम) में स्थित है।

राजेन्द्र नाथ बरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग 1

तारीख : 4-4-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

शिलांग, दिनांक 4 अप्रैल, 1979

निर्देश सं० ए०-216/जी० एल० जी०/78-79/89—

अतः मुझे, राजेन्द्र नाथ बरा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० टी० पी० पी० सं० 1 और वाग सं० 437 है तथा जो भोग चौग, नारागांव गोलाघाट टाउन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गोलाघाट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 3-1-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिये लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री अरुण कुमार हजारीका स्व० महेश्वर हजारीका के पुत्र गोलाघाट टाउन के कृष्णनगर बार्ड सं० 6 । (अन्तरक) ।

2. श्री मोतीलाल अग्रवाल स्व० रामनाथ अग्रवाल के पुत्र गोलाघाट टाउन, बार्ड सं० 9 । (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन का माप । (एक) बिगहा 2 कट्टा 10 (घस) लसा जो कृष्णनगर, मावखोआ मौजा गोलाघाट टाउन, शिवसागर जिला (असम) में स्थित है ।

राजेन्द्र नाथ बरा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, शिलांग 1

तारीख : 4-4-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1979

निर्देश सं० 4900—यतः मुझे, श्री० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने प्रकाशित 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 27/77-84-ए (पारट) है, जो रनघे घोटार स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कोरम्बटूर (डाकुमेंट सं० 3135/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—
3-136GI/79

1. श्री। श्रीमती। कुमारी के० नेजप्प चेट्टीयार
के० कृष्ण मूर्ति (अन्तरक)

2. श्री रा० आर० सुंदरलाल
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 27/77-84 ए रनघे घोटार स्ट्रीट
कोरम्बटूर (पारट) (डाकुमेंट सं० 3135/78)

श्री० आनंदराम
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, मद्रास

तारीख : 12-6-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जन, 1979

निवेश सं० 4900—यतः, मुझे, ओ० आनन्दांम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 27/77—आरा (पारट) है, जो रनघे
घोडर स्ट्रीट, कोयम्बतूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, कोयम्बतूर (डाकुमेंट सं० 3136/76) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन दिनांक अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य में उक्त अन्तरण निम्न में वास्तविक रूप में रुचि नही
किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई किन्हीं प्राय का वास्तव, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री के० नंजप्पा चेट्टीयार के० कृष्णमूर्ति (अन्तरक)
2. श्री एन० आर० सरस्वती अम्माल (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जांचोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 27/77,—आरा (पारट) रनघे
घोडर स्ट्रीट, कोयम्बतूर (डाकुमेंट सं० 3136/78)।

ओ० आनन्दांम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 12-6-1979

मोहर :

प्रकरण धार्मिक डी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1979

निर्देश सं० 8379—यतः, मुझे, ओ० आनंदराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० 62, है, तथा जो मारियम्मत कोविल
स्ट्रीट, कारेखाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कारेखाल (डाकूमेंट सं० 561/78) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख को अक्तूबर, 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाव या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनन्तर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार अब
न, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री रामचन्द्रन चेट्टियार उन्नाल चेट्टियार रामलिनगम
(अन्तरक)।
2. श्री हाजी एस० के० टी० मोहम्मद मुलदान एम०
ई० हबूका उम्मान।
(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वीकृति:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 62, मारियम्मत कोविल स्ट्रीट,
कारेखाल (डाकूमेंट सं० 561/78)

ओ० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निदेश सं० 6743—यतः, मुझे, ओ० आनंदराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० एस० सं० 29/1 ए० 2 है, जो पल्लारम
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पल्लारम
(डाकूमेंट सं० 2284/78) आईटम सं० 118-123
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन तारीख अक्तूबर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री एस० एस० पलनियप्पन (अन्तरक)।

2. श्री के० आर० मीनाकपी सुन्दरम, के० आर०
करुप्पाया, के० आर० अभ्रामल्ल, के० आर० एस० ए०
करुप्पन चेठ्टीयार, के० आर० पलनियप्पन, के० आर० सात-
लिनयम। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि निर्माण एस० सं० 29/1 ए० 2 (पार्ट) पल्ला-
वरम (डाकूमेंट 2284/78) (आईटम सं० 118-123/78)

ओ० आनंदराम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

मोहर:

प्रांश्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निदेश सं० 8387—यतः, मुझे, श्री० आनंद्राम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000
र० से अधिक है

और जिसकी सं० एस० सं० 391, 397, 298, 399,
400, 401, 403, 404, 406, 407, आर० एस० है,
जो सं० 84, अबुलघारट ग्राम, पाडिचेरी में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रारकी
अधिकारी के कार्यालय, अबुलघारट, पाडिचेरी (डाकूमेंट सं०
1107/78) में मास्टर रजिस्ट्रारकी अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति-
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् : -

1. श्री पोरे० राचनद्रिन (अन्तरक)।
2. श्री रामपेरुमाल (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही
अर्थ होगा जो उस आयकर में दिया गया है।

धनुमुखी

भूमि आर० सं० 396, 397, 398, 399
400, 401, 403, 404, 405, 406, 407, आर०
एस० सं० 84, अबुलघारट ग्राम, पाडिचेरी।

श्री० आनंद्राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निदेश सं० 8376—यतः, मुझे, ओ० आनंदराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० है, जो लाप्पुर तोने स्ट्रीट, पाडिचेरी
में स्थित है (और इसमें [उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पाडिचेरी
(डिक्रूमेंट सं० 1832/78) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16') के अधीन, तारीख अक्टूबर,
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, उक्त के अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मुखरराज पुत्र श्री गुरादित्त मल श्रीमति बिमला पत्नी
श्री जगजीत सिंह राय निवासी आबादी भक्त सिंहपुरा, सुल्तान
विट, अमृतसर। (अन्तरक)

2. चरणजीत कौर पत्नी श्री दोवान सिंह निवासी 1/10
गुरु नानक देव युर्वसिटी, अमृतसर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूम और निर्माण लाप्पुर स्ट्रीट पाडिचेरी (डिक्रूमेंट सं०
18 32/78)।

ओ० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-6-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- , मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निदेश सं० 8375—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 57, है जो पञ्चेयप्पा मदली स्ट्रीट, कुम्बकोनम में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कुम्बकोनम (डाकूमेंट सं० 1819/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः—

1. श्री के० राघवाचारियार। (अन्तरक)
2. श्रीमती आर० मल्लीखा। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 57, पञ्चेयप्पा मुदली स्ट्रीट कुम्बकोनम (डाकूमेंट सं० 1819/78)

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1979

निर्देश सं० 8402—प्रतः, मुझे, श्री० आनंदराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० एस० सं० 491/1, और 491/2 (पार्ट)
है, जो पेरीयकुलम ग्राम दिवेल्लूर तालुक में स्थित है (और
इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिवेल्लूर (डोक्यूमेंट सं० 3110/
78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दी० मेकलक इंस्ट्रुमेंट्स और फार्माच्यूटिकल्स
लिमिटेड, शाहाबाद इन्वेस्टमेंट्स और ट्रेडर्स (पी०)
लिमिटेड। (अन्तरक)।

2. श्री एन० बालसुब्रमनीयन। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण एस० सं० 491/1 और 491/2
(पार्ट) पेरीयकुलम ग्राम दिवेल्लूर तालुक।

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-जून-79
मोहर:

प्रथम धार्ज. टी. एम. एस.—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निवेश सं० 6747—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 13, है जो नारत क्रसेंट रोड, मद्रास-17 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, टी० नगर, मद्रास (डाकूमेंट सं० 1142/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिद की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ने हुई किसी पक्ष को बाधन 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
4—136GI/79

1. श्री सारसन और द्रयूको एमप्लाइज कां० प्रापरेटिव सोसाइटी (अन्तरक)।

2. श्रीमती श्रियं जी० पी० पारतसारती, श्री एम० कृष्णमूर्ति, श्रीमती लक्ष्मी (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा; अथवा अन्तरिती के बाध लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 13, नारत क्रसेंट रोड, मद्रास-17 (डाकूमेंट सं० 1142/78)

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 12-6-1979

मोहर :

इस प्राईंटी० एन० एस०—

1. श्री आर० के० आर० कारतिकेसन (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निर्देश सं 4924—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 7/28, टवून हेडकुवार्टरस रोड है, जो
कोयम्बटूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 3359/78) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी जाब की जाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या सम्पत्ति के
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित उक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री जी० आर० बालसुब्रह्मनियम आर० राजेन्द्र
(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपाव :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अनुपाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अनुपाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 7/28, टवून हेडकुवार्टरस रोड,
हंसुर रोड, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 3359/78)

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 12-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०-----

. श्री बी० जनारदन (अन्तरक)

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निर्देश सं० 4905---यतः मुझे, श्री० आनंदराम
घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 15/22, रघुपति ले० और है, जो कोयम्ब-
टूर में स्थित है (और इससे उक्तबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
घांदीपुरम, कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 2614/78) में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि वयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविकता से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः घन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

2. श्री के० एस० नरसिम्मय्या, के० एन० वेनकटरामन
(अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 15/22, सायिट सं० 22, रघुपति
ले० और, सनघनूर ग्राम कोयम्बटूर (डाकूमेंट सं० 2614/
78) ।

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 12-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निर्देश सं० 4895—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 119/1, 129/2, 129/3ए, 129/3सी०, 129/3ई०, रालपल्ली, है, जो कूनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर (डक्यूमेंट सं० 1314/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये पंस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डित प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के पंस्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या अन्य वस्तुओं को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ पंस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः—

1. श्री टेजीबाय (अन्तरक)

2. श्री जी० प्रसन्नचंद जक्क (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी घोषणा:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, पधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्याकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सं० सं० 119/1, 129/2, 129/3 ए, 129/3सी, 129/3 ई०, राठपल्ली ग्राम, कूनूर (डक्यूमेंट सं० 1314/78)

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

मोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एस.—

2. श्री लालचंद अनूपचंद और कम्पनी (अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निदेश सं० 4896—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 23,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० स सं० 150/3ए, 157/4, 157/1बी, 150/1ए, 150/2, 150/2, 150/4, 150/3बी, 150/5ए/1, 150/5ए/2, 157/1ए, 157/1बी, 157/3ए, 157/3बी राडपल्ली ग्राम, कूनूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कूनूर (डाकूमेंट सं० 1317/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तुबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

2. श्री जी० प्रासनचंद जबख। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्रवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि सरखे सं० 150/3ए, 150/4, 157/1बी, 150/1ए, 150/2, 150/4, 150/3बी, 150/5ए/1, 150/5ए/2, 157/1ए, 157/1बी, 157/3ए, 157/3बी, राडपल्ली ग्राम, कूनूर।

(डाकूमेंट सं० 1317/78)

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-6-1979

मोहर :

प्ररूप माई०टी०एन०एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निर्देश सं० 4892—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० है, जो अधिनियम में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दारापुरम (डाकू-
मेंट सं० 1827/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर,
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उसने बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

1. श्रीमती राधा वासुदेवन (अन्तरक)।

2. श्री चित्र करुणपन्न देवर (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रचोदितकारी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, यही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि अधिनियम 3 एकरस और 30 सेनट्स (डाकूमेंट
सं० 1827/78)

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 12-6-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1979

निदेश सं० 8291—यतः, मुझे, ओ० आनद्रांम

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 184, जो बार्ली स्ट्रीट, पांडिचेरी में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पांडिचेरी
(डाकुमेंट सं० 1912/78) में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
अक्तूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप में कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को वास्तव उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवगत :—

1. श्री जोसफ अन्तोनिस्वामी लुपरस्टोन अठैक्सम
(अन्तरक)
2. श्रीमती अन्टोनेटे मेरी लूयिस (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 184, बार्ली स्ट्रीट, पांडिचेरी
(डाकुमेंट सं० 1912/78)।

ओ० आनद्रांम
सक्षम अधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 12-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री चेल्लम्माल, मरुदाताल (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री आर० दामोदरस्वामी (अन्तरिती)

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निदेश सं० 4928—यतः, मुझे, श्री० आनद्राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एस० एफ० सं० 242/3 धनपती ग्राम, है, जो कोयम्बटूर में स्थित है (श्रीर इससे उपाख्य अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2552/78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तरपाया गया अतिरिक्त निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथातः:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्याख्यान:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रीम एस० सं० 242/3, धनपती ग्राम कोयम्बटूर (डाकुमेंट सं० 2552/78)

श्री० आनद्राम

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख 12-6-1979

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जन, 1979

निदेश सं० 4928—यतः, मुझे, श्री० आनंदराम
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसने
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० एम० एफ० सं० 242/3, है, जो धनपती
ग्राम, कोयम्बटूर में स्थित है) (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकमेट सं० 25551/78) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
अस्तित्व, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से अभित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की वास्त, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5—136G1/79

1. श्री चेल्लम्माल वठवल्लि (अन्तरक)।

2. श्री आर० डामोडरस्वामी (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि एम० सं० 242/1, धनपती ग्राम कोयम्बटूर।
(डाकमेट सं० 2551/78)

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख 12-6-1979

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना.

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निदेश सं० 4928—यतः, भूमि, ओ० आनंदम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी एस० एफ० सं० 242/3, है, जो धनपती
ग्राम, कोयम्बटूर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, कोयम्बटूर (डाकमेट सं० 2550/78) में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, अक्तूबर, 1978 में
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किमी धन या अन्य प्राप्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में,
सं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री चेल्लमाल वेंठवल्ली (अन्तरक)

2. श्री डी० सरोजिनी (अन्तरितों)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अगोप्यतापूर्वक के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि एस० सं० 242/3, धनपती ग्राम, कोयम्बटूर।
(डाकमेट सं० 2550/78)।

ओ० आनंदम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख : 12-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निर्देश सं० 4891—यतः, मुझे, ओ० आनंदराम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269(1)
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
₹० से अधिक है

और जिसकी सं० 7/3, 4, 5, 6, 7, 9, 9ए, है जो
अननूर ग्राम अविनाषी तालुक में स्थित है (और इसमें
उत्पादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, अननूर (डिफ़ॉल्ट सं० 1072/
78) में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. ए० सम्पतकुमार (अन्तरक)।

2. श्री डुरैस्वामी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अड्डा 20-ए में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अड्डा में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 7/3, 4, 5, 6, 7, 9, 9ए,
अननूर ग्राम अविनाषी तालुक (डिफ़ॉल्ट सं० 1072/78)

ओ० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निर्देश सं० 6759—यत्, मुझे, ओ० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 12, वठगरम है, जो अभिनजिकरै, मद्रास में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोठम-पाखम मद्रास (डाकूमेंट सं० 3463/78) में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व को कम करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रा० पी० चन्द्रशेखरन (अन्तरक)

2. श्री कवालिटी ठैयरस (अन्तरितों)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अन्वय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्वय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण -12, वठगरम, अभिनजिकरै, मद्रास (डाकूमेंट सं० 3463/78)

ओ० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून 1979

निदेश सं० 6728-यतः, मन्त्रे, श्री० आनंदराम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिनकी सं० 184, है, जो माऊंट रोड, मद्रास-2 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ट्रिपलिकेन, मद्रास (डक्यूमेंट सं० 821/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अवतुवर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वेस्टर्न इण्डिया थियटर्स लिमिटेड (अन्तरक)
2. श्री राजेश एंटरप्राइजेज (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त-सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धार्षेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अनुयाय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण -184, माऊंट रोड, मद्रास-2,
(डक्यूमेंट सं० 821/78)।

श्री० आनंदराम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज VI, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

मोहर:

प्रारूप धार्ई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 12 जून, 1979

निर्देश सं० 6737—यतः, मुझे, ओ० आनंदराम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट सं० 10, डोर सं० 29 है, तथा जो चामियरम रोड़, मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मैलापुर, मद्रास (डाकूमेंट सं० 1518/78) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन अक्तूबर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

1 आय या किसी धन या अन्य धास्तिवों को जन्म भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में से उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्णीत:—

1. श्री के० एस० सुब्रमनियम (अन्तरक)

2. श्रीमती के० सारदा (अन्तरिती)।

नासूराम, कासरंज, एटा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण 29, (प्लॉट सं० 10) चामियरम रोड़, मद्रास (डाकूमेंट सं० 1518/78)

ओ० आनंदराम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, मद्रास

तारीख: 12-6-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 मार्च, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/भोपाल 79-80/
1259—अतः, मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, जो जबलपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जबलपुर में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 26-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ना प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के जिसे तब पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाब की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाधित्य
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिधे;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाध
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिधे;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रार्थितः—

1. श्री भगवान्नराम पुत्र श्री बलचन्द्र रूपचन्द्र 2.
श्रीमती हीराबाई पत्नि श्री भगवान दामद्वारा श्री भगवानदाम
नेपियर टाउन, जबलपुर (अन्तरक)

2. श्री टेकचन्द्र पुत्र श्री धनश्याम दाम केमवानी
मरफा वाड भागीदार मेमर्स पापुलर ब्रेड फैक्टरी, जबलपुर।
(अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृत्तिबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, आयकर
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के
अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

मकान "आणीश" से प्रसिद्ध बेयरिंग पुराना कारपोरेशन
नं० 1072 नजूल बेयरिंग प्लॉट नं० 4/1 व 4/7 पीट
नं० 1 प्लॉट एरिया 5479 वर्ग फुट मिशिल स्टेशन, जबल
जबलपुर।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख : 29-5-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 मई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल 79-80/1260—यतः, मुझे, बी० एल० राव आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सख्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त, अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-करण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित शक्तियों, प्रयत्न :—

1. श्री शिशिर कुमार (2) शरद कुमार पुत्र श्री शरत-चन्द्र दुबे, मकान नं० 2, दुबे कालोनी, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री दिलीप हनुमन्त भुसारी 96, सिलावट पुरा इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एक का भाग दुबे कालोनी, इन्दौर।

बी० एल० राव

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-5-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन मचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 मई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल 79-80/1261—अतः, मुझे, बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तर्पिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तर्पिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

6—136GI/79

1. श्री आनंद चिरमुले पुत्र श्री विनायक चिरमुले बीमा नगर, इन्दौर (अन्तरक)।

2. श्री रामप्रसाद पुत्र श्री कन्हैयालाल जी प्रसाद, श्रीमती मुणीला प्रसाद पत्नी श्री रामदास प्रसाद न्यू ग्लस कालेज, इन्दौर। (अन्तर्पिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान स्थिति प्लॉट नं० 6 बीमा नगर, इन्दौर।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, भोपाल

तारीख: 29-5-1979

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 मई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/79-80-1262—अतः मुझे, बी० एल० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 20-10-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आधिकारिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(अ) अन्तरण से हुई किताबों या बस्तियों, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में जमा करने या जयम बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किताबें या बस्तियाँ या अन्य प्राप्ति को प्राप्त करने के लिये भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुबधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित शर्तियों, शर्तों :—

1. श्री (1) राधेश्याम (2) सीताराम दोनों पुत्र बाबूलाल जी नौ गता, ग्राम :—लोहारदा तहसील बागल, जिला देवास (अन्तरक)

2. श्री चतुरभुज पुत्र श्री प्रेमचन्द जी शर्मा मकान नं० 51 उवापुरा, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, या उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लेट नं० 1/16 पर स्थिति मकान, महेश नगर, इन्दौर

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-5-1979

मोहर :

प्रकृष प्राई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 मई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/79-80-
1263—अतः, मुझे, बी० एल० राव,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर जलबलपुर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 14-12-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय को बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन, कर देने के अन्तरक के
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति
को, जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री गुरुमुखदास पुत्र श्री रेवा चंद, मनीशा बिल्डिंग
रॉड टाउन, जबलपुर। (अन्तरक)

2. श्री नारायणदास पुत्र श्री कीमतराम, नया मोहल्ला
जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 861/1 से 861/2 सी और भूमि 2401
वर्गफुट प्लॉट नं० 81 प्लॉट नं० 198/1 का भाग भरतीपुर,
मोहल्ला, राशीवगंज, मझाताल वार्ड, जबलपुर।

बी० एल० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-5-1979

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जुन रेंज भोपाल

भोपाल, दिनांक 29 मई, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79-80—

1284—अतः, मुझे, बी० एल० राव,

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान है, तथा जो मुडवाड़ा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मुडवाड़ा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13-11-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वाचित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य वास्तवों को जिन्हें भारतीय घायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री खुशीराम काकवानी पुत्र श्री हीरानंद काकवानी
(2) श्रीमती सुशीला रानी पत्नि श्री खुशीराम काकवानी निवारी मावरकर वार्ड, मुडवाड़ा, जबलपुर। (अन्तरक)।

2. (1) लक्ष्मनदास पुत्र श्री भगवानदास (2) श्रीमती रुकीबाई पत्नी श्री भगवानदास मिथी, गुरुनानक वार्ड, मुडवाड़ा, जबलपुर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कृतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 249 (भाग) गुरुनानक वार्ड, मुडवाड़ा।

बी० एल० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 29-5-1979

मोहर :

प्राकृतिक आई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 31 मई, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/1979-

80/1265—अतः, मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269ग के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान भाग है, तथा जो सागर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का परम प्रतिफल से अधिक है और भन्तरण (भन्तरणों) और भन्तरिनी (भन्तरिनीयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) भन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घण्टा वास्तुओं को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिनी या प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देव पारमनाथजी, जैन मन्दिर घनश्यामदाम बुद्धवेय सिंगई प्राईवेट मन्दिर) सराफा बाजार, सागर द्वारा लक्ष्मीचन्द ट्रस्टी। (भन्तरक)

2. मैसर्स मन्लाल नन्लाल पुत्र गिरधारीलाल महेश्वरी द्वारा पार्टनर श्री कृष्णपाल नन्लाल महेश्वरी, कटरा सागर (भन्तरिनी)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन 5 संख्या में काटे जा सकते हैं:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि या भी अवधि बाध में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बंद करी, अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोलुब्ध अधिकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अनुच्छेद 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अनुच्छेद में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 18 का भाग, कटरा, सागर।

बी० एल० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 31-5-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस्०-----
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भोपाल, दिनांक 31 मई, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80-
 1266—अतः, मुझे, बी० एल० राव
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है
 और जिसकी सं० मकान भाग है, तथा जो सागर में स्थित
 है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्री-
 करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
 तारीख 19-10-1978 को
 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री देव पारसनाथजी जैन मंदिर धनश्याम बुधबेय
 गंगई (प्रायवेट मंदिर) सराफा, सागर द्वारा लक्ष्मीचंद,
 टुस्टी (अन्तरक)।

2. श्रीमती कोशलया बाई साहू और श्री राधेलाल
 महेश्वरी, कटरा, सागर। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
 गया है।

अनुसूची

मकान नं० 18 का भाग, कटरा, सागर।

बी० एल० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 31-5-1979

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भोपाल, दिनांक 31 मई, 1979

निदेश सं० आए० सी०/एकी०/भोपाल/79-80-1267
अतः, मुझे, बी० एल० राव
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० सक्षम भाग है, तथा जो सागर में स्थित
है (और इससे उपायय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 19-10-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चम प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिही (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कम करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तरण अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिही द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाते में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री देव पारमनाथजी जैन मंदिर घनश्याम बुदवेय
सिंगई (प्रायवेट) सराफा बाजार, सागर द्वारा लक्ष्मीचंद,
ट्रस्टी।

(अन्तरक)

2. श्रीमती द्रौपदी बाई सा कटरा, सागर। (अन्तरिही)
को यह सूचना जारी करण पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के दृश्यमान में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवगुह्यकारी के पास
निहित से किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है
जो सम होता हो उस अध्याय में लिया गया है।

अनुसूची

सक्षम नं० 18 का भाग, कटरा, सागर।

बी० एल० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 31-5-1979

मोहर

प्राकृत मार्गः ०० एन० एस्-----

आवक पर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269थ (1) के अधीन सूचित:

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भोपाल, दिनांक 31 मई, 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80-1268—प्रत०, मुझे, बी० एल० राव,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन महान् प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो सागर में स्थित है (और इससे उपायबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सागर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-10-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नतम में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तराण्य प हई किमी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, या अधीन कर बेत के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पुनः-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अव्ययिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना उद्दिष्ट था, विधान से उचित के लिए ;

प्रतः प्रथम, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के प्रचीन निम्नलिखित व्यवस्थियों, अर्थात्:—

1. श्री देव पारसनाथजी जैन मंदिर घनश्याम बुदवे
सिंगई (प्रायवेट मंदिर) सरफा बाजार, मागर द्वारा लक्ष्मी-
चन्द, टुस्ट्री। (अन्तरक)

2. श्रीमती सरस्वती आई साहू कटारा, सागर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हों।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अव्योहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

संश्लेषण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अविनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही पदों होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

सक्रान न० १८ का भाग, कटरा, सागर।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
महायन्त्र आयुक्त (निरीक्षण)
भ्रजेंत रेंज, भोपाल

तारीख : 31-5-1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भोपाल, दिनांक 31 मई, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79-80-
1269—अतः, मुझे बी० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और ज़मकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो सागर में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिवासी के कार्यालय, सागर
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 19-10-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
7-136GI/79

1. श्री देव पारमनाथजी जैन मंदिर धनश्याम बुदवेय
मिंगई (प्राचैत मन्दिर) सराफा बाजार, सागर द्वारा लक्ष्मी-
चन्द, टुस्टी। (अन्तरक)

2. श्रीमती रामश्री बाई कटरा, सागर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करत पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान न० 18 का भाग, कटरा, सागर।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 31-5-1979
मोहर:

प्रथम आई० टी० एम० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भोपाल दिनांक 31 मई 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्सी०/भोपाल/79-80/
1270--अन० मुझे बी० एल० राव

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सफ़ान (भाग) है तथा जो सागर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सागर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-10-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, यह उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मैमर्मा मन्मूलाल नन्मूलाल पुत गिरधारी लाल महेष्वरी द्वारा पार्टनर्स 1. कृष्णपाल 2. श्रीमती कौशल्या बाई 3. श्री राधेप्रियाम कटरा सागर (अन्तरक)।

2. श्रीमती शकुन्तला मिश्र पत्नी श्री महेन्द्र कुमार मिश्र मांढी नगर जिला सागर। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किये जा सकेंगे।

परवर्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रथम 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रथम 20-क में दिया गया है।

अनुसूची

सफ़ान नं० 18 का भाग कटरा सागर।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज भोपाल

तारीख 31-5-1979
मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

भोपाल दिनांक 1 जून 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफवी०/भोपाल 79-80/
1271—अतः मुझे बा० एल० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

₹० से अधिक है

और जिसको सं० मकान भाग है तथा जो इन्दौर में स्थित
है (और हममें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय इन्दौर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 29-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए, अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री देवेन्द्र कुमार शिवना, फतेहपुरकर निवासी 3,
महिन नगर, इन्दौर (अन्तरक)।
2. श्री रघुनाथ महादेव दिवेकर 30, बकशी गली,
इन्दौर। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेद :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अयोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 30 का भाग बकशी गली, इन्दौर।

बा० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-6-1979

मोहर

प्रारूप आई० टी० एन० एच०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा .

269B(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भोपाल, दिनांक 1 जून, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकवी०/भोपाल/79-80/1272—अतः, मुझे, बी० एल० राव, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सश्रम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान भाग है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर से, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 30-10-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि संपादित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से दूर किसी प्राप्ति या अन्तरण के अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितुः—

1. श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री जिवाना फतेहपुरकर
3, साकेत नगर, इन्दौर (अन्तरक)।

2. श्रीमती नलिनी बाई पानी श्री विनायक मजूमदार
निवासी 29 बकशी गली, इन्दौर। (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 30 का भाग बकशी गली, इन्दौर।

बी० एल० राव

सक्षम प्राधिकारी

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

भोपाल, दिनांक 1 जून, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए.बी०/भोपाल/79-80/
1273—अतः, मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में
स्थित है, (और इसमें उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप
में वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकाारी के कार्यालय, इन्दौर
में, रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
अधीन, तारीख 30-10-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घटारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और घटारक (घटारकों) और घटारिती
(घटारितियों) के बीच ऐसे घटारण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घटारण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) घटारण से हुई किसी आपदागत की उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के घटारक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ घटारिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, घटारित:—

1. श्री देवेन्द्र कुमार शिवना फतेहपुरा नितामी: 3
संकेत नगर, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री दत्तात्रेय गोविन्द नार्दक निवार्सी: 30, बक्शी
गली, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो जो अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में निम्नलिखित किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, घटारिती के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 30 का भाग, बक्शी गली, इन्दौर।

बी० एल० राव

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 1-6-1979

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एम०—
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-ब(1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज,

भोपाल, दिनांक 1 जून, 1979

निदेश सं० आई० ए० सी०/एकरो०/भोपाल/79-80
 1274—अतः, मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
 के अधीन मन्त्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
 है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
 रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान (भाग) है, तथा जो इन्दौर में
 स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
 वर्णित है), रजिस्ट्रारकी अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में,
 रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
 अधीन, तारीख 30-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
 मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
 पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
 और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
 तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
 लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण न हुई किसी आय की बाबत, उक्त
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
 दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
 के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
 धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,
 मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री देवेन्द्र कुमार शिवना फतेहपुरकर निवासी 3
 साकेत नगर, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री भास्कर रामचन्द्र संगोरकर निवासी 30, बक्शी
 गली, इन्दौर, । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
 लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
 अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
 अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 30 का भाग, बक्शी गली, इन्दौर।

बी० एल० राव
 सक्षम प्राधिकारी
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 अर्जन रंज, भोपाल

तारीख : 1-6-1979
 मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 1 जून, 1979

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्वी०/भोपाल/79-80/

1275—अतः मुझे बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बिल्डिंग भाग है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपावृद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-10-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धन; उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री मन्त मल्हार राव पुत्र श्री तांड्या साहिब होलकर पीपलिया पाला, इन्दौर (और अन्य परिवार के सदस्य)।

(2) 1. श्रीमती पारवती देवी, पत्नी श्री भवराजलालजी, मन्डोरा।

2. श्रीकृष्ण गोपाल पुत्र श्री सुन्दरलालजी मन्डोरा, इन्दौर।

3. श्रीमती रुकमणी देवी पत्नी कृष्ण गोपाल जी मन्डोरा, इन्दौर।

4. श्रीमती मनोप देवी पत्नी श्री राजेन्द्र प्रसाद-जी मन्डोरा, इन्दौर।

5. श्रीमती कमलादेवी पत्नी श्री श्रीमप्रकाश मन्डोरा, इन्दौर।

6. श्रीमती विमला देवी पत्नी श्री मुरलीधर मन्डोरा, इन्दौर।

7. डा० सुशील कुमार पुत्र श्री कमलराजजी मन्डोरा, इन्दौर।

8. श्रीमती सुधा कुमारी पुत्री श्री गुरुशोक्तमदास जी कावरा, भोपाल। (अन्तरिती)

(3) 1. मैसर्स मनाहर ड्रेमर्स,

2. मैसर्स प्रेमचन्द राजेन्द्रकुमार

3. मैसर्स सबरंग ड्रेमर्स

4. मैसर्स के० आर० मन्डोरा ड्रेमर्स,

5. मैसर्स बी० एम्० मन्डोरा,

6. तोरनमल (सभी किरायेदार)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति का नार्थ ईस्ट भाग बिल्डिंग 34, राजबांडा, इन्दौर।

बी० एल० राव
सक्षम प्राधिकारी
निरीक्षी सहायक आयकर आयुक्त
अर्जुन रेंज, भोपाल

तारीख : 1-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज अमृतसर कार्यालय

निर्देशन सं० अमृतसर/79-80/53—यन: मूझे एम० के०
घर, आई० आर० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि 61 कनाल 14 मरला जो
कि फतेहगढ़ शुकर चक तहसील और जिला अमृतसर है
तथा जो अमृतसर तहसील में स्थित है और इससे उपा-
बद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय अमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
24-10-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तित्व अर्थात्,—

- (1) श्री फौजा सिंह पुत्र शाम सिंह गांव फतेहगढ़
शुकर चक तहसील और जिला अमृतसर।
(अन्तरक)
- (2) श्री कैप्टन रघुबीर सिंह लखविन्दर सिंह जग-
विन्दर सिंह पुत्रगण मोहन सिंह रिहायस बरेका
तहसील अमृतसर। (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है। (यदि कोई
किराएदार हो तो। (वह व्यक्ति, जिसके अधि-
भोग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता
हो, तब (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता-
क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 61 कनाल 14 मरला जो कि फतेहगढ़ शुकर
चक त० और जि० अमृतसर में है रजिस्ट्रकृत नं० 3851
तारीख 24-10-78 और रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर
तहसील में है।

एम० के० घर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, अमृतसर

तारीख ।
मोहर ।

प्रकाश आर्द्ध टी० एन० एन०-----

आध्यात्म अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 1 जून, 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/79-80/554—यतः मुझे,
एम० के० धर

आयुक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सशप पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका रजिस्ट्रार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल
16 मरले है तथा जो कि गांव रखजीता तहसील व जिला
अमृतसर में स्थित है (और उसमें उपायुक्त अनुसूची
में और पूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय तहसील अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 अक्टूबर,
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से लागू नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी धार को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तविक
मकनी अन्तर या उक्त बाबत में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसे किसी धार या क्रिया धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयुक्त अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्रिया
जाना जाहिष्ठ था, विधानों में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन :-

8-136G1/79

(1) श्री मुखराज पुत्र श्री गुगदित्त। मल श्रीमती
विमला पत्नी श्री जगजीत सिंह राय निवासी
आबादी भक्त सिंह पुरा, गुलतान बिड़, अमृत-
सर। (अन्तरक)

(2) श्रीमती अरणजीत कौर पत्नी डा० दीवान सिंह
निवासी 1/10, गुरु नानक देव युनिवर्सिटी,
अमृतसर।

(3) जैसा कि उपर सं० 2 में है और कोई फिरोजे-
दार हो तो (वह व्यक्ति, जो जिसके अधिभाग
में सम्पत्ति है)।

(4) और कोई व्यक्ति जो इस जायदाद में रुचि रखता
हो। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

तो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त अधिनियम के प्रजन के
लिए कार्यवाहियां करना है।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें उक्त शब्दों और शर्तों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित
है, वही प्रयुक्त होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 16 मरले है
जो कि गांव रखजीता तहसील अमृतसर में स्थित है जैसा
कि रजिस्ट्रार डीड नं० 3869 दिनांक 25-10-78 आफ
रजिस्ट्रींग अध्याय अमृतसर तहसील के कार्यालय में पड़ी
है।

एम० के० धर
महयुक्त अधिकारी
महायुक्त आयुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, अमृतसर

तारीख : 1-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 13) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर कार्यालय

अमृतसर, दिनांक 1 जून, 1979

निर्देश सं० टी० टी०/79-80/55-यतः मुझे एम० के०
घर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी संख्या कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 63 कनाल
11-1/2 मरले है तथा जो कि गांव बडोला तहसील तरन तारन
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
तरन तारन में रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के तहत, तारीख 19 अक्तूबर, 1979 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके द्वारा तहत से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पर्याप्त
प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तररति-
(अन्तररतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की मात्रा उक्त अधि-
नियम के प्राधान्य के अन्तर्क के अधिकार
को कमी करने या उससे बचने में प्रविष्ट
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तव्यो
को चिन्हों द्वारा आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर्क
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तररति द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
विवादास्पद आना चाहिए था, ठिपाने में सुविधा के लिये;

धनः धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्क
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्णित :-

(1) श्री ठाकुर सिंह पुत्र श्री भगत सिंह निवासी
गांव अरका तहसील तरन तारन (अन्तरक)

(2) श्री लखवीर सिंह पुत्र श्री जरनैल सिंह निवासी
गांव बडोला तहसील तरन तारन (अन्तररति)

(3) जैपा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायदार
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

(4) यदि कोई और व्यक्ति इस जायदाद में रुचि
रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध
है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के अन्तर्क में तालमो प्राप्ति :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्समर्थी व्यक्तियों पर सूचना की
जारी होने से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
जिनामा में हित का पत्रों।

स्वीकृति :-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 63 कनाल 11-1/2 मरला
है जो कि गांव बडोला तहसील तरन तारन में स्थित है
जैसा कि रजिस्ट्रेशन डीडी नं० 4372 दिनांक 19-10-78
आफ रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी तरन तारन के कार्यालय में दर्ज
है।

एम० के० घर

मध्यम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 1-6-79

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 जून, 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/56—यनः मुंश
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'इस अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 कनाल 14 मरले है तथा जो कि गांव रखजीता तहसील अमृतसर में स्थित है (और हमने उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर तहसील में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 अक्टूबर, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिता (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वार्षिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किता आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री ठाकुर नवीन चन्द पुत्र श्री जगदीश चन्द निवासी रखजीता ग्राम चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

(2) श्री प्रवीन चन्द पुत्र ठाकुर जगदीश चन्द निवासी रखजीता तहसील अमृतसर।

(अन्तरिता)

(3) जमा कि अण्डा सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता है (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

कि यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करना है।

उक्त निम्नलिखित कथनों में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का नामीय से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संशोधन :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 कनाल 14 मरले है जो कि गांव रखजीता में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार नं० 3888, दिनांक 26-10-78 आर रजिस्ट्रींग अथॉरिटी अमृतसर तहसील के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

मक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

दिनांक : 1-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 जून, 1979

निर्देश सं० टी० टी०/79-80/57—यतः मुझे एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 कनाल 4 मरले है जो कि गांव पडोरी गोला तहसील तरन तारन में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 अक्तूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बायन उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब; उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्मा—

(1) श्री हजारा सिंह पुत्र श्री फौजा सिंह गांव पडोरी गोला तहसील तरन तारन

(अन्तरक)

(2) श्री बीरो पुत्री श्री हजारा सिंह निवासी गांव पडोरी गोला तहसील तरन तारन।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेंदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस ज़ायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के धर्मात्मा के संबंध में कोई भी धाओपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि; जो संघर्ष अवधि बाद में समाप्त होती हो, के दौरान पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 15 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, जो इस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 42 कनाल 4 मरले जो कि गांव पडोरी गोला तहसील तरन तारन में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रार डीड नं० नं० 4446 दिनांक 26-10-78 आफ रजिस्ट्रींग अथॉरिटी तरन तारन के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख :

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती चान्द रानी पुत्री श्री दुर्गा दाम निवासी
6 ओल्ड जेल रोड, अमृतसर।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 जून, 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/79-80/58—यतः मुझे
एम० के० धरआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और निम्नी के राजपत्र प्रकाशन के द्वारा 1979

वर्ग में

में स्थित

से वर्ग

शहर

16)

पूर्वोक्त

प्रतिफल

विषय

सम्पत्ति

से, ऐसे दृश्यमान प्रातफल का पन्द्रह प्रातशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—(2) श्री सुरजीत सिंह, तजिन्द्र सिंह पुत्रान श्री किर-
पाल सिंह श्रीमती जतीन्द्र पत्नी श्री सुरजीत सिंह
श्रीमती मीना टी० सिंह पत्नी श्री तजिन्द्र सिंह
निवासी डी० डब्ल्यू० आर० अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायदार
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति
है)।(4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि
रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध
है)।को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

ह अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
किसी व्यक्ति द्वारा;ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किया जा सकेगा।संज्ञाहरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कोठी नं० 6 प्राइवेट जो कि पुरानी जेल रोड,
अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रड डीड नं० 3019
दिनांक 16-11-78 आफ रजिस्ट्रींग अथॉरिटी अमृतसर
शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख :

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 1 जून, 1979

निर्देश सं० ए० एम० आर०/79-80/59—यतः मुझे
एम० के० धर आई० आर० एम०

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपय से अधिक है

और जिसकी सं० एक इमारत ठाई मंजिला कोट बाबा दीप
सिंह, गली नं० 4 अमृतसर में है तथा जो अमृतसर शहर
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 24-11-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से इन के दृष्टान्त प्रति-
फल के लिए अनारित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रदत्त
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकत निर्मानाबन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

(1) श्रीमती जीत कौर पत्नी बलबीर सिंह रिहायश
बजार नं० 4 कोट बाबा दीप सिंह अमृतसर
(अन्तरक)

(2) श्री मुरखंदर सिंह, मुरबीर सिंह, हरचरण सिंह,
पुत्रगण सुजान सिंह रिहायश गली गद्दीदा वाली
चौक परागदाम अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि नं० 2 में है। यदि कोई किराएदार
हो तो। वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है।

(4) यदि कोई व्यक्ति इस सम्पत्ति में रुचि रखता
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ता-
क्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो ; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

बराबरीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत ठाई मंजिला कोट बाबा दीप सिंह बाजार
नं० 4 अमृतसर में है। और रजिस्ट्रीकृत नं० 3122 तारीख
24-11-78 और रजिस्ट्री अधिकारी अमृतसर शहर में है।

एम० के० धर

आई० आर० एम०

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 1 जून 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जून, 1979

निदेश सं० जी० एम० पी०/79-80/60—यतः मुझे
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 ब त पञ्चा मक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल
6 मरले है और सुपर स्ट्रक्चर भी साथ है तथा जो कि
मिबल लाइन, गुरदासपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 अक्तूबर,
1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रस्तावित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी घाय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/ या

(ख) ऐसी किसी घाय या किसी धन या अन्य वास्तव्यो को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- (1) श्री मंत निराकारी मंडल, रजिस्टर्ड दिल्ली द्वारा
श्री हरि राम मुख्तार-ए-खाम। (अन्तरक)
- (2) श्री मनदीप बेदी पुत्र श्री जी० एम० बेदी निवासी
गुरदासपुर (अन्तरिती)
- (3) जैना कि ऊपर सं० 2 में और कोई निरावेदार
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है।
- (4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि
रखता है (वह व्यक्ति, जिस के बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हित-
बद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
एकत्रा कार्यवाही करना है।

अतः नति कि प्रत्येक संघ में कोई भी संशयः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किया जाना है।

रजिस्ट्रीकरण -- सर्वोपरा मन्दा और तब का, जो उक्त अधि-
नियम, के अन्वये 20-क में परिभाषित है, की
अर्थ द्वारा जो उस अधिनियम में दित गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट भूमि का जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले
है और सुपर स्ट्रक्चर भी साथ है जो कि मिबल लाइन,
गुरदासपुर में स्थित है जैना कि रजिस्टर्ड डीड सं०
4437 दिनांक 25-10-78 का रजिस्ट्रीकरण अथारिटी गुर-
दासपुर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
मक्षम अधिकारी
महायुक्त आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 2-6-1979
मोहर :

प्रारूप प्राई० डी० ए० १००/७९-८०/६१—यतः—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जून, 1979

निर्देश सं० जी० एम० पी०/79-80/61—यतः मुझे एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० एक कोठी है तथा जो कि सिविल लाइन, गुरदासपुर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 25 अक्टूबर, 1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीनः—

- (1) निरंकारी मंडल रजिस्ट्रार, दिल्ली द्वारा श्री हरि राम मुख्तार खान (अन्तरक)
- (2) श्रीमती सरदारनी राज बेदी पत्नी श्री जी० एम बेदी निवासी गुरदासपुर (अन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई विरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)।
- (4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन का तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक इमारत जो कि पुरानी डी० सी० की कोठी से जानी जाती है जो कि सिविल लाइन, गुरदासपुर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 4438 दिनांक 25-10-78 आफ रजिस्ट्रार अध्यागिरी गुरदासपुर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 2-6-1969

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जून, 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/62—यतः मुझे एम० के० धर आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक्ष प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या आधा भाग प्लॉट खसरा नं० 831 मिन है तथा जो कि तुंग वाला मरकुलर रोड, अमृतसर में स्थित है (और उसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 अक्टूबर, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्षद्व प्रतियोग्य अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करना या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एम० के० धर या किमा धन या अन्य व्यक्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती प्रेम शाम पत्नी डा० राधे शाम निवासी अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री (1) बलचरणजीन सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी मकान नं० 502, अकालगढ़ कादीयां जिला गुरदासपुर

2. श्रीमती मतवन्त कौर पत्नी श्री हरभजन सिंह निवासी कोठी नं० 5920, सेक्टर 53-डी, चण्डी-गढ़। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त व्यापार संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्धुसूची

आधा भाग प्लॉट खसरा नं० 831 मिन जो कि तुंग वाला, मरकुलर रोड अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 2714/1 दिनांक 26-10-78 आफ रजिस्ट्रिंग अथॉरिटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 2-6-1979

मोहर :

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जून, 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/63—यतः मुझे
एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट आफ लैंड नं० 2802 से 2804
पुराना और नया 2522 से 2525/1-23 तक है तथा जो
कि चील मंडी, अमृतसर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकार के कार्यालय, अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
15 नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
भुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री त्रिलोचन सिंह पुत्र निहाल सिंह निवासी
मकान नं० 2802/1, चील मण्डी, अमृतसर।
(अन्तरक)

(2) श्री पूर्ण चन्द, किशन चन्द पुत्रान श्री बखु राम
निवासी 2612-13/1 मन्ना सिंह गेट, अमृतसर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार
हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)।

(4) यदि कोई और व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता
हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट नं० 2802 से 2804/1 पुराना और
नया नं० 2522 से 2525/1-23 तक जो कि चील मंडी
अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3001/1
दिनांक 15-11-78 आफ रजिस्ट्रिंग अथॉरिटी अमृतसर
शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 2 जून, 1979

निदेश सं० ए० एस० आर०/79-80/64—यतः मुझे

एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० एक प्लॉट नं० 2802 से 2804/1 भित्त है तथा जो कि चील मण्डी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 13 दिसम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री लचोवन सिंह पुत्र श्री निहाल सिंह 2449/1-23 चील मण्डी, अमृतसर।

(अन्तरक)

(2) श्री सोनी राम पुत्र श्री लक्ष्मन दास निवासी मकबूल पुरा, अमृतसर मार्फत जीवन ज्योति फ्री अस्पताल अमृतसर।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है और कोई किराये-दार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लॉट नं० 2802 से 2804/1 भित्त जो कि चील मण्डी अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3366/1 दिनांक 13-12-78 आफ रजिस्ट्रींग अथारिटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 2-6-1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अन रेंज अमृतसर

अमृतसर दिनांक 2 जून, 1979

निर्देश सं० ए० एस० आर०/79-80/65—यतः मुझे एम० के० धर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० आधा भाग प्लॉट खसरा नं० 831 है तथा जो कि मरकुलर रोड, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर शहर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 2 नवम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तिवों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती प्रेम शम पत्नी डा० राधे शम निवासी मरकुलर रोड, अमृतसर। (अन्तरक)

(2) श्री नलचरणजीत सिंह पुत्र श्री करतार सिंह निवासी मकान नं० 502, अकाल गढ़ कादियां गुरदासपुर। (2) श्रीमती सतवन्त कौर पत्नी श्री हरभजन सिंह। निवासी कोठी नं० 1592 मैक्टर 33-डी, चण्डीगढ़।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किरायेदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

(4) यदि और कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आधा भाग प्लॉट खसरा नं० 831 मिन जो कि तुंग बाला, मरकुलर रोड, अमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 2760/1 दिनांक 2-11-78 आफ रजिस्ट्रिंग अधारिटी अमृतसर शहर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 2-6-1979

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून, 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/158/78-79—अतः मुझे

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 4493/5 का 2 व 3 भाग है तथा जो जगदीश आश्रम, पटियाला में स्थित है (और इससे उगावख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ के अनुसरण में, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्री मतनाम सिंह सोढ़ी पुत्र श्री केशव सोढ़ी व श्रीमती अमृत कौर पत्नी केशव दयाल सोढ़ी, सोढ़ी भवन, सरहन्दी बाजार, पटियाला। (अन्तरक)
- (2) डा० चरनजीत खुराना पुत्र श्री अमीर चन्द, डा० महेशन्दर सिंह पुत्र मनजीत सिंह वासी राजिन्दरा हास्पिटल, पटियाला। श्री मोहन भूटानी पुत्र हाकम चन्द व श्री पंकज भूटानी पुत्र मोहन भूटानी आफ धनबाद मकान नं० 4493/5, नजदीक जगदीश आश्रम, पटियाला। (अन्तरिती)
- (3) श्री भूपिन्दर सिंह गुप्ता वासी मकान नं० 4493/5, जगदीश आश्रम, पटियाला। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 4493/5 का 2 व 3 भाग जो बंडूगर रोड, जगदीश आश्रम, पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के विलेख संख्या 3935, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 2-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/157/78-79—अतः मुझे
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन गलत प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० कान नं० 4493/5 का 2 व 3 भाग
है तथा जो डा० जगदीश मार्ग, बड्गूररोड, नजदीक जगदीश
आश्रम, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से, वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर, 1978 को
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत:—

(1) श्री मतनाम सिंह सोढी पुत्र श्री केशवदयाल
सोढी व श्रीमती अमृत कौर पत्नी श्री केशव दयाल
सोढी, सोढी भवन, सरहन्दी बार, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) डा० चरनजीत खुराना पुत्र अमोर चन्द, डा०
महेशचन्द्र सिंह पुत्र मनजीत सिंह, आठ राजि-
न्दरा हास्पिटल, पटियाला। श्री मोहन भूटानी
पुत्र हाकम चन्द व श्री पंकज भूटानी पुत्र मोहन
भूटानी आफ धनबाद, वासी मकान नं० 4493/
5, बड्गूर रोड, पटियाला।

(अन्तरिती)

(3) श्री भूपिन्दर कुमार गुप्ता पुत्र श्री बृज लाल वासी
मकान नं० नं० 4493/5, जगदीश आश्रम, पटि-
याला। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी माफ़ेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 4493/5 का भाग जो बड्गूर रोड, जगदीश
आश्रम, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 3934, नवम्बर, 1978 में दर्ज
है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, लुधियाना।

मोहर:

तारीख: 6 जून, 1979

प्रकरण भाई० टी० एम० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून, 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/163/78-79—अतः मुझे

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 666.5 वर्ग गज
है तथा जो लहैल, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख नवम्बर,
1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) धारा 269-अ (1) के अधीन, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बचन में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी या कितनी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) सर्वश्री तरलोक सिंह व दविन्दर सिंह पुत्र श्री
दिवान सिंह वामी भूपिन्दर रोड, पटियाला।
(अन्तरक)

(2) श्री जसबीर सिंह व अमृतवीर सिंह व श्रीमती
प्रीतम कौर पुत्र व विधवा श्री गुरबचन सिंह
वासी लहैल, पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाप्त यथार्थ के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 666.5 वर्गगज है और जो
लहैल, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 3899, नवम्बर, 1978 में
दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 6 जून, 1979
मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/159/78-79—अतः मुझे

नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 666.5 वर्ग गज
है तथा जो लहैल पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारों के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर
1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

(1) सर्वश्री तरलोक सिंह व दविन्दर सिंह पुत्र श्री
दवान सिंह वासी भूपिन्दर रोड पटियाला
(अन्तरक)

(2) श्री जमश्री सिंह व अमृतवीर सिंह पुत्र श्री गुर-
चरण सिंह वासी लहैल पटियाला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अन्तर्न के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अन्तर्न के सम्बन्ध में कोई भी माझेप: -

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि दाढ़ में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
पण्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 666.5 वर्ग गज है और जो
लहैल पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 3936 नवम्बर 1978 में
दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जुन रेंज लुधियाना

तारीख : 6-6-1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

**धायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना**

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज धायकर भवन लुधियाना

लुधियाना दनांक 6 जून 1979

नवेश सं० पी० टी० ए०/190/78-79—अतः मुझे

नत्थू राम

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसको सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है तथा जो गांव त्रिपड़ी पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रार अधि-कारियों के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रार अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तविक से रूप से कबित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

—136GI/79

(1) श्री गुरिन्दर सिंह पुत्र श्री हरदेव सिंह वासी पटियाला। (अन्तरक)

(2) श्री लाल इन्दर सिंह पुत्र श्री सुखिन्दर सिंह वासी त्रिपड़ी पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उम सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति से हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है और जो त्रिपड़ी पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रार अधि-कारियों पटियाला के कार्यालय के विवेक संख्या 4559 दिसम्बर 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख : 6 जून 1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/191/78-79—अतः मुझे
नरथू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसका सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है तथा
जो गांव त्रिपड़ा माईदा पटियाला में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
दिसम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :-

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय को बावजू उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

(1) श्री गुरिन्दर सिंह पुत्र हरदेव सिंह वासी पटि
(अन्तरक)

(2) श्री हरजिन्दर सिंह पुत्र श्री मुखीन्दर सिंह वासी
त्रिपड़ा पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

हस्ताक्षर :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 2 कनाल है और जो त्रिपड़ा
पटियाला में स्थित है।

(जायदेद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला
के कार्यालय के विनिय संख्या 4569 दिसम्बर 1978 में
दर्ज है)।

नरथू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज लुधियाना

तारीख : 6 जून 1979
मोहर :

प्रकृष आई० टी० ए० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून 1979

नदेश सं० पी० टी० ए०/173/78-79—अतः मुझे

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है तथा जो त्रिपड़ी पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अर्जन तारीख नवम्बर 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसा किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत्त में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती जमशन्तकौर पत्नी श्री राजिन्दर सिंह
गरेवान बीबरोया रोड लाहौरी गेट पटियाला।
(अन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश वंगल पत्नी श्री सुभाष कुमार
ब्रमल 1553-पुराना गढ़ा खाना आर्य समाज
पटियाला।
(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में भूतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल है और जो त्रिपड़ी पटियाला में स्थित है।

(जयेश्वर जैना कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के बिलेंड संख्या 4222, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख 6 जून, 1979

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून, 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/273/78-79—अतः मुझे

नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन मक़म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाज़ार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है, और

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 14 मरले है तथा जो गांव त्रिपड़ी साईदा, पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 11) के अधीन, तारीख फरवरी, 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति त उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये घट्टरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाज़ार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल में ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्हु प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हरदेव सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरचरण सिंह गरेवाल वासी बबरीयां रोड, लाहौरी गेट, पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री जसवीर सिंह व श्री अमृतवीर सिंह पुत्र श्री गुरचरण सिंह वासी 133, पंजाबी बाग, पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राप्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के नाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 14 मरले है और जो गांव त्रिपड़ी, पटियाला में स्थित है।

(जायेंदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5746, फरवरी, 1979 में दर्ज है)।

नत्थू राम

मक़म प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, लुधियाना

तारीख : 6 जून 1979

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/254/78-79—अतः मुझे
नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और जिसकी

और जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 7.1/2
मरले है तथा जो त्रिपड़ी साईदां पटियाला में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है)० रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटियाला में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख फरवरी 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1);
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथावत्—

(1) श्री हरजीत सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह
गरेवाल बासी विषरियां रोड लौहरी गेट पटि-
याला।

(अन्तरक)

(2) श्री अमृतवीर सिंह पुत्र श्री गुरचरण सिंह व
श्रीमती राजिन्दर कौर पत्नी श्री जसवीर सिंह
बासी 133 पजाबी बाग पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 7.1/2 मरले है और
जो गांव त्रिपड़ी साईदां पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पटियाला
के कार्यालय के विलेख सख्या 5595 फरवरी 1979 में
दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज लुधियाना

तारीख : 6 जून, 1979
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून 1979

निर्देश सं० पी० टी० ए०/256/78-79—अतः मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव बिपड़ा साईदा पटियाला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित रजिस्ट्रेशन अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1979 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य यास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री हरदेव सिंह
बासी विवरीयां रोड लौहरी गेट पर
(अ)(2) श्रीमती प्रीतम कौर विधवा श्री गुरचर
श्रीमती कुलजिन्दर कौर पत्नी श्री अ
सिंह बासी 133-पजाबी बाग पटियाल
(अन

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सू तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवाग्ग्न व्यक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित पये होंगे, जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 कनाल 11 मरले है श्री गांव बिपड़ा साईदा पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रेशन अधिकारी, पर के कार्यालय के विवेक संख्या 5611, फरवरी, 19 दर्ज है)।

नर

सक्षम प्रा

सहायक आयकर आयुक्त (निर

अर्जन रेंज लु

तारीख 6 जून 1979

मोहर

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० पी० टी० ए०/199/78-79—अतः मुझे नत्थू राम

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 11 मरले है तथा जो त्रिपड़ो मारिदां पटियाला में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रार-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उ० (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—

(1) श्री गुरिन्दर सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल, वासी विवरीयां रोड, लौहरी गेट पटियाला।

(अन्तरक)

(2) श्री जगदेव सिंह पुत्र श्री भगवन्त सिंह वासी चक्षु तहसोल व जिना पटियाला।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जों के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जों के सम्बन्ध में कोई भी आपेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 11 मरले है और जो त्रिपड़ो मारिदां, पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रार कार्यालय, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4740, दिसम्बर 1978 में दर्ज है।)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख : 6 जून, 1979

मोहर

प्राकृत्य आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून, 1979

निर्देश सं० एमओए 17/78-79—अतः मुझे नत्थू
राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सश्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्यावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिकी सं० प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 964 वर्ग मीटर
है तथा जो सेर, सोलन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, सोलन में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (108 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर, 1978
पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में दर्शित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० सी० मधोक पुत्र श्री एल लाल, बामी
माडल टाउन, अम्बाला शहर (अन्तरक)

2. श्री जीवन लाल गोयल पुत्र श्री सुन्दर लाल गोयल,
फील्ड अफसर, एल० आई० सी० सोलन, श्री शिवनाथ सिंह
स्यागी लैक्चरर, गोरमेट कालज, नालागढ़, श्रीमि कुशम खता
गोयल पुत्री श्री बृज भूषण, ट्रैन्क रोड, सोलन। (अन्तरिती)

को सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाओर:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर संपत्ति में द्वि-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 964 वर्ग मीटर है और जो
सेर सोलन में स्थित है।

(जायेदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सोलन के
कार्यालय के विलेख सं० 260, अक्टूबर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 6 जून 1979

मोहर:

प्रकृष्य प्र० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० पीटीएम/212/78--79--अतः मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इससे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विज्ञापन करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, बिबका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिक्री सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 4 मरले है तथा जो गांव त्रिपड़ी साईदां, पटियाला, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्री-तयम, 1908 (1908 का 16 के अधीन, तारीख जनवरी, 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए सम्पत्ति को गड़ी है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि तत्कालीन सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अर्थ से उक्त अन्तरण लिखित में ग्राह्यता रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की भावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वस्तुओं को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या आय-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अन्तर्गत अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन नमूनेलिखित व्यक्तियों के अर्थात्:—

11-136GI/79

1. श्री गुरिन्दर सिंह गरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गरेवाल, वासी विवरियां रोड, लौहरी गैट, पटियाला (अन्तरक)

2. श्री अमरजीत सिंह पुत्र श्री भगवन्त सिंह वासी चरंग, तहसील पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्कालीन व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताखरी के पास लिखित में किया जा सकेगा।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों धीरे धीरे का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 4 मरले है और जो गांव त्रिपड़ी, पटियाला में स्थित है।

(जायेदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 5090, जनवरी, 1979 में दर्ज है)।

नत्थू राम
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना।

दिनांक 6 जून 1979

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० पीटीए/197/78—79—अतः मुझे नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजारमूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 7 मरले है तथा जो गांव त्रिपड़ी, पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक को दिसम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राप्ति की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी प्राप्ति या हिस्से का या अन्य मास्त्रियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाभे अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री हरदेवसिंह वासी धिन-रियां रोड, लौहरी गेट, पटियाला । (अन्तरक)

2. श्रीमति मनजीतकौर पत्नि श्री इकबाल सिंह, वासी पटियाला । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिये कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 7 मरले है और जो गांव त्रिपड़ी, पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 4708, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है) ।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 6 जून 1979 ।

मोहर:]]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० सीएचडी/247/78--79--अतः मुझे, नत्थू
राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,
और जिसका प्लॉट जमका क्षेत्रफल 528.13 वर्ग गज है तथा
जो नं० 1529 सैक्टर 33-डी, चन्डीगढ़ में स्थित है (और
इससे उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा, (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति शारदा संहुजा, विधवा श्री डी० पी०
संहुजा मकान नं० 1487, सैक्टर 15, फरीदाबाद (अन्तरक)

2. लै० क० के० डी. आर० शर्मा पुत्र ले० पं० मन्त
राम वासी 3094, सैक्टर 27-डी चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरों के पाम
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट जमका क्षेत्रफल 528.13 वर्ग गज है और जो
नं० 1529, सैक्टर 33-डी, चन्डीगढ़ में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़
के कार्यालय के विलेख संख्या 705, नवम्बर, 1978 में दर्ज
है)।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण

ग्रजन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 6 जून 1979

मोहर

प्रकृप प्राई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून, 1979

निदेश सं० पीटीए/137/78--79--अतः मुझे नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 80 कनाल 13 मरले है तथा जो गांव भाटियां, तहसील ब जिला पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम क दृश्य-मान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के गन्दाह पतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से स्थित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री छज्जू पुत्र श्री रत्ना बामी गांव भाटियां तहसील ब जिला पटियाला (अन्तरक)

2. श्री नत्थू राम पुत्र श्री बख्शी राम, बामी गांव भाटियां, तहसील ब जिला पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करना है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के लक्ष्य में काटे जा पायरे :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवा-किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, असाहमतारी 10 पासालीत में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शर्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही एवं होगा जो उक्त अध्याय में दिये गया है ।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 80 कनाल 13 मरले है और जो गांव भाटियां : तहसील ब जिला पटियाला में स्थित है ।

(जावेदद जवा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख सं० 3637, अक्टूबर, 1978 में दर्ज है ।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 6 जून 1979
मोहर :

प्रकरण छठी टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महासक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० सीएचडी/242/78-79—अनः मुझे, नत्थू

राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि सभावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2.1/2 मंजिल बिल्डिंग नं० 679, सैक्टर 20-ए, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, इससे दृश्यमान प्रतिफल से, उसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (घस्तरकी) और घस्तरिणी (घस्तरितिया) का बोझ ऐसे घस्तरण के लिए तय पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घस्तरण लिखित में बाधक कि इस से कथित नहीं किया गया है:—

(क) घस्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के घस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उसका अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीन अन्तर्गता द्वारा प्रकट नहीं किया गया या हो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमति अमर कौर पत्नी श्री शान सिंह वासी मकान नं० 259, सैक्टर 35-ए, चन्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री प्यारे लाल पुत्र श्री पुरन चन्द व सर्वश्री प्रेम सागर व आम प्रकाश पुत्र श्री प्यारे लाल सारे वासी 679, सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़ (अन्तरिणी)

3. श्री के० सी० कौशिक, पहली मंजिल, श्री एच० के० जमना, पहली मंजिल, श्री भूपिन्दर कुमार, दूसरी मंजिल, सारे वासी मकान नं० 679/20-ए चन्डीगढ़ (वह व्यक्ति (जिनके अधिभाग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त धाय के घस्तर के कार्यवाहियाँ करवा दूँ।

उक्त संपत्ति के घस्तर के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अग्राहक में समाप्त होती हो: के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सहायक संपत्ति में द्विबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दा मोर पर्वी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 679, सैक्टर 20-ए चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय विनेत्र संख्या 655, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 6 जून 1979

मोहर:

प्रप्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० राज०/19/78-79—अतः मृ० नत्थू

राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रयोग तथा अधिनियम की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिनकी सं० भूतान सं० 5-जे/1 गोबिन्द कालोनी, राजपुरा टाऊन शिप, है तथा जो राजपुरा, जिला एटियाला में स्थित है (श्रीर इसमें उपावृद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, राजपुरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख दिसम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृ० यह विश्वास करने का कारण है कि पर्याप्तपूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का यह प्रतिगत प्रविष्ट है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितो (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गणनात्मक रूप से प्रविष्ट नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय बाजार अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तर्गत अधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1 श्री मनमोहन कृष्ण गौर पुत्र श्री राजा राम, वासी 5-जे/1, गोबिन्द कालोनी, राजपुरा टाऊन शिप (अब वासी एफ 4/1 मालवीय नगर, नई दिल्ली) । (अन्तरक)

2 श्रीमति शकुन्तला देवी पति श्री हीरा लाल वासी दान मण्डी, बुलन्दशहर (उ० प्र०) अब वासी 5-जे/1, गोबिन्द कालोनी, राजपुरा टाऊन । (अन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए आवश्यकता करता हूँ ।

3. सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हस्तबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही प्रयुक्त होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूतान सं० 5-जे/1, गोबिन्द कालोनी, राजपुरा टाऊन ।
(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, राजपुरा के कार्यालय के विलेख संख्या 2848, दिसम्बर, 1978 में दर्ज है) ।

नत्थू राम,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 6 जून, 1979 ।

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून, 1979

निदेश सं० पीटीए/162/78-79--अतः मूझे नत्थू

राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी भूमि जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले है तथा जो त्रिपड़ी नजदीक गुरेराव फिलिंग स्टेशन, पटियाला में स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुगूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन व अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुरारण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपधारा (1) अधीन अर्थात्:—

1 श्री गुरिन्दर सिंह गुरेवाल पुत्र श्री हरदेव सिंह गुरेवाल वासी मोहल्ला बिबनियां, पटियाला (अन्तरक)

2 श्रीमति केदार कौर पति स्व० श्री मनजीत सिंह वासी मोहल्ला भैंकन, मुनाम व श्री हरजीत सिंह पुत्र श्री मनजीत सिंह, वासी मनीर, पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों से सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में तिह्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 3 कनाल 6 मरले है और जो त्रिपड़ी पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के विलेख सं० 3968, नवम्बर, 1978 में दर्ज है।

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 6 जून 1979

मोहर :

रूप आई० टी० एन० एम०-----

साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून, 1979

निर्देश सं० एलडीएच/135/78-79—अतः मुझे नत्थू राम सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना साथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी-19-354/डी, नजदीक खालसा कालेज, फार बोमैन है तथा जो डा० हीरा सिंह रोड सिविल लाईन, लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से का के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि उपाबद्धित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 17) के प्रयोजनार्थ अन्तर्गामी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात् :—

1 श्री मनवीर सिंह गरेवाल पुत्र श्री बलवीर सिंह द्वारा श्रीमति सविन्दरजीत कौर, मूखनयार ग्राम वासी 8-ग, सिविल लाईन, भटिगा (अन्तरक)

2 श्री अशोक कुमार पुत्र श्री मेला राम मारफत अशोक स्टोर, चौक गिरजा, चौड़ा बाजार, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के पत्रों के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दृढबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० बी-19-354/डी, नजदीक खालसा कालेज फार बोमैन, डा० हीरा सिंह रोड, सिविल लाईन, लुधियाना।
(जायेदाद जैमाकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3270, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त अर्जन (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 6 जून, 1979
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निर्देश सं० एलडीएच/139/78—79—अतः मुझे नत्थू राम,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 भाग मकान नं० बी-19-354/डी, है तथा जो डा० हीरा सिंह रोड, नजदीक खालसा कालेज फार वॉमन, लुधियाना में स्थित है (और इस उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक से दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थितः—

12—136GI/79

1 श्री मनवीर सिंह गरेवाल पुत्र श्री बलबीर सिंह द्वारा श्रीमतिसविन्दरजीत कौर जी० ए० बासी 8-ग, सिविल लाईन, भटिंडा (अन्तरक)

2 श्री अशोक कुमार पुत्र श्री मेला राम मारफत अशोक सरोर, गिरजा घर चौक चौड़ा बाजार, लुधियाना (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग मकान नं० बी-19-354/डी डा० हीरा सिंह रोड नजदीक खालसा कालेज फार वॉमन, सिविल लाईन, लुधियाना।

(जायेबाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3336, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 6 जून, 1979

मोहर :

प्रारूप धार्द० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 6 जून, 1979

निदेश सं० पीटीए/166/78—79—अतः मुझे, नत्थू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ग के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 7565/5 का भाग है तथा जो हीरा नगर, बड़गूर पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगजीत सिंह सिधू पुत्र राम नारायण सिंह, वासी मकान नं० 596, सैक्टर 18-बी चन्डीगढ़ (अन्तरक)
2. श्रीमति मनजीत सोही पत्नी श्री सतनाम सिंह सोही, सरहन्दी बाजार, पटियाला (अन्तरितों)
3. श्री सतनाम सिंह सोही पुत्र श्री केशव दियाल सिंह वासी सरहन्दी बाजार, पटियाला (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपत्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यञ्जीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 7565/5 का भाग जो हीरा नगर, बड़गूर, पटियाला में स्थित है।

(जायेदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख सं० 4047, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
मक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 6 जून 1979

मोहर :

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निवेश सं० पीटीए/151/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 7565/5 का भाग है तथा जो हीरा नगर, बडूगरण पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए उपाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार

(क) में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री जगजीत सिंह सिधू पुत्र राम नारायण सिंह वासी मकान नं० 596, सैक्टर, 18-बी, चन्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री सतनाम सिंह सोढी पुत्र श्री केशवदियाल सिंह सोढी सरहन्वी बाजार, पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाही करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में भूतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 7565/5 का भाग जो हीरा नगर बडूगर, पटियाला में स्थित है।

(जायेदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्याविलेख संख्या 3817, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 6 जून, 1979

मोहर:

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अजन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० पीटीए/150-ए/78-79—अतः मुझे, नत्थू
राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 7565/5 का भाग है तथा जो
हीरा नगर, बंडूगर पटियाला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक अक्टूबर,
1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जगजीत सिंह सिधू पुत्र श्री राम नारायण सिंह वासी
596, सैक्टर 18-बी चन्डीगढ़ (अन्तरक)
2. श्री सतनाम सिंह पुत्र श्री केशवदियाल सिंह, सरहन्दी
बाजार, पटियाला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतजी

मकान नं० 7565/5 का भाग जो हीरा नगर, बंडूगर,
पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला
के कार्यालय के विलेख संख्या 3702, अक्टूबर, 1978 में दर्ज
है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अजन रेंज, लुधियाना।

दिनांक : 6 जून, 1979
मोहर :

प्रस्ताव प्रार्थी : टी० एन० पुष्प—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून, 1979

निर्देश सं० पीटीए/150/78-79—अतः मुझे, नत्थू राम
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० जायेदाद नं० 7565/5 का भाग है तथा जो हीरा
नगर बंडूगर, पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर, 1978 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण
में, जहाँ उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री राम नारायण सिंह मकान
नं० 596, सैक्टर 18-बी चन्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्रीमति मनजीत सोढ़ी पत्नी श्री सतनाम सिंह सोढ़ी,
वासी सरहन्दी बाजार, पटियाला (अन्तरिती)

3. श्री सतनाम सिंह सोढ़ी पुत्र श्री केशवधियाल सिंह सोढ़ी,
वासी सरहन्दी बाजार, पटियाला (यह व्यक्ति, जसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छोद्धारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 7565/5, हीरा नगर, बंडूगर, पटियाला।
(जायेदाद जसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्या-
लय के विलेख संख्या 3816, नवम्बर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 6 जून 1979
मोहर :

प्रारूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269B (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 6 जून 1979

निदेश सं० पीटीए/167/78-79—अतः मुझे, नरथू राम आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269B के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, निम्नलिखित उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 7565/5 का भाग है तथा जो हीरा नगर, बंडूगर पटियाला में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक नवम्बर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य वास्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269B के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269B की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगजीत सिंह पुत्र श्री राम नारायण सिंह वासी मकान नं० 596, सैक्टर 18-बी चन्डीगढ़ (अन्तरक)

2. श्री सतनाम सिंह सोढ़ी पुत्र केशवदियाल सोढ़ी, सरहन्दी बाजार, पटियाला (अन्तरितों)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 7565/5 का भाग जो हीरा नगर, बंडूगर पटियाला में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, पटियाला के कार्यालय के धिलेख संख्या 4048, नवम्बर, 1978 में दर्ज है।

नरथू राम
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, लुधियाना

दिनांक : 6 जून, 1979

मोहर :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 29th May 1979

No. A.12019/5/74-Admn.II.—The Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints Shri M. S. Chhabra, a permanent Section Officer of the CSS cadre of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Senior Analyst for the period from 1-6-79 to 31-8-79, or until further orders, whichever is earlier.

2. Shri M. S. Chhabra will be on deputation to an *ex cadre* post of Senior Analyst, Union Public Service Commission and his pay will be regulated in accordance with the provisions contained in the Ministry of Finance OM No. F. 10(24)-E.III/60 dated 4-5-61, as amended from time to time.

S. BALACHANDRAN

Under Secretary,
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, the 31st May 1979

No. A.12019/1/75-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission hereby appoints the following Assistant Superintendents (Holl.) in the office of the Union Public Service Commission to officiate on an *ad hoc* basis as Section Officer (D.P.) for the period from 2-6-1979, to 31-8-1979, or until further orders, whichever is earlier :—

1. Shri S. P. Bansal
2. Shri B. R. Gupta
3. Shri M. M. Sharma

No. A.12019/2/78-Admn.II.—The Secretary, Union Public Service Commission, hereby appoints the following permanent Research Assistants (Hindi) of this office to officiate on an *ad hoc* basis as Junior Research Officer (Hindi) for the period mentioned against each or until further orders, whichever is earlier :—

1. Smt. Sudha Bhargava, 2-6-79 to 31-8-79
2. Shri Chand Kiran, 2-6-79 to 31-8-79
3. Shri J. N. S. Tyagi, 28-5-79 to 27-8-79.

S. BALACHANDRAN, Under Secy.
for Secy.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi-110001, the 20th June 1979

No. 14029/7/79-NE.II.—In continuation of this Ministry's Notification No. 14019/7/79-NE.II dated the 22nd February, 1979, the President is pleased to extend the period of *ad-hoc* appointment of Shri H. Guha, as Adviser (Animal Husbandry) in the North Eastern Council Secretariat, Shillong upto 31st December, 1979, on the existing terms and condition.

S. S. PARMAR, Under Secy.

DEPTT. OF PERSONNEL & A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 15th June 1979

No. A-19014/3/78.AD.V.—The President is pleased to appoint Shri M. K. Agarwal, a permanent Section Officer of

the C.S.S. Cadre of the Ministry of Home Affairs, to officiate as Administrative Officer in the Central Bureau of Investigation on *ad-hoc* basis for the period from 1-6-1978 (FN) to 16-8-1978 (FN).

HERO A. SHAHANEY, Adm. Officer (E)
C.B.I.

DIRECTOR GENERAL, CRP FORCE

New Delhi, the 14th June 1979

No. O.II.1032/79-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr (Mrs) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on *ad-hoc* basis with effect from 29th May, 1979 (F.N.) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 18th June 1979

No. O.II.1100/78-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs) Mangala Rajan as Junior Medical Officer on *ad-hoc* basis with effect from 5-6-79(FN) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

A. K. BANDYOPADHYAY, Asstt. Dir. Adm.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 12th June 1979

No. 11/1/78Ad. I.—In continuation of this office Notification of even number dated 21-2-1979 the President is pleased to extend the appointment of Shri S. Jayashankar, an Investigator in the Office of the Director of Census Operations, Kerala as Assistant Director of Census Operations (Technical) in the same office, with his head-quarters at Trivandrum, on a purely temporary and *ad-hoc* basis from 1-4-1979 to 10-4-1979.

P. PADMANABHA, Registrar General

POSTS & TELEGRAPHS AUDIT ORGANISATION

New Delhi, the 15th June 1979

O.O.No. Admn.III-79 23(A)(2) Notifications.—Consequent upon his permanent absorption in National Thermal Power Corporation Ltd. New Delhi (a Government of India enterprise), in public interest with effect from 1st April, 1978, Shri B. L. Chopra, a substantive Audit Officer of the Posts and Telegraphs Audit Organisation, is deemed to have retired from Government service with effect from the same date in terms of Rule 37 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972.

LACHHMAN SINGH, Jt. Director of Audit
(H.QRS).

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

New Delhi, the 15 June 1979.

No. 40011 (1)/79/AN-II (1).—The undermentioned Accounts Officers were transferred to the Pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster No.	Grade	Date from Which Transferred to Pension Establishment	Organisation
1	2	3	4	5
S/Shri				
1.	R.L. Sharma (0/59)	Officiating Accounts Officer	31-7-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
2.	B.P. Arya (0/216)	Officiating Accounts Officer	31-8-78	Do.

1	2	3	4	5
S/Shri				
3.	O.P. Sharma, (0/53)	Officiating Accounts Officer	31-8-78	Controller of Defence Accounts Western Command Meerut.
4.	B.N. Kohli (P/118)	Permanent Accounts Officer	30-9-78	Do.
5.	M.L. Chibber (0/62)	Officiating Accounts Officer	31-10-78	Do.
6.	Harcharan Singh (P/299)	Permanent Accounts Officer	31-10-78	Do.
7.	P.L. Bhatia (P/169)	Do.	30-11-78	Do.
8.	K.N.V. Krishnan, (P/390)	Do.	31-12-78	Do.
9.	D.V. Behal (P/444)	Do.	31-12-78	Do.
10.	Surat Singh (P/584)	Do.	31-12-78	Do.
11.	Rajinder Kumar (0/180)	Officiating Accounts Officer	31-12-78	Do.
12.	N. Kalyanasundaram' (P/41)	Permanent Accounts Officer	31-12-78	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
13.	I.N. Seth (0/228)	Officiating Accounts Officer	13-12-78	Do.
14.	M.M. Kapoor (P/599)	Permanent Accounts Officer	31-12-78	Do.
15.	C.R. Ganguly, (0/138)	Officiating Accounts Officer	31-12-78	Do.
16.	Dhananjay Dutta (P/84)	Permanent Accounts Officer	31-12-78	Controller of Accounts (Fys) Calcutta.
17.	G.S. Bhabhe (P/255)	Do.	31-12-78	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.
18.	S. Padmanabhan (P/75)	Do.	31-1-79	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
19.	K.M.K.S. Nambiar (0/262)	Officiating Accounts Officer	31-1-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South, Madras.
20.	A.S. Roy, (P/88)	Permanent Accounts Officer	31-1-79	Controller of Accounts (Fys) Calcutta.
21.	B.B. Ghosh (P/89)	Do.	31-1-79	Do.
22.	Swinder Singh (P/438)	Do.	31-1-79	Do.
23.	K.K. Banerjee (0/265)	Officiating Accounts Officer	31-1-79	Do.
24.	Dharam Pal Bhall (P/37)	Permanent Accounts Officer	31-1-79	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
25.	O.P. Kansal (P/232)	Permanent Accounts Officer	31-1-79	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.
26.	B.R. Gupta, (P/503)	Permanent Accounts Officer	31-1-79	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.
27.	Randhir Singh, (P/585)	Do.	28-2-79	Do.
28.	N.K. Kulkarni, (P/164)	Permanent Accounts Officer	31-1-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
29.	Amar Nath, (P/249)	Do.	31-1-79	Do.
30.	K.V. Raghavan, (P/70)	Permanent Accounts Officer	31-1-79	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
31.	A.S. Iyer (P/395)	Do.	31-1-79	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
32.	H.B.S. Chandra, (0/121)	Officiating Accounts Officer	28-2-79	Do.
33.	H.L. Sharma, (P/101)	Permanent Accounts Officer	31-3-79	Controller of Defence Accounts Northern Command, Jammu Cantt.
34.	Jagdish Chander (P/258)	Do.	31-1-79	Do.
35.	P.L. Sharma, (P/434)	Do.	28-2-79	Do.
36.	K. Parameswaran Nair (0/339)	Officiating Accounts Officer,	28-2-79	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.
37.	T.S. Raman; (P/206)	Permanent Accounts Officer	28-2-79	Do.
38.	V.G. Mungekar, (P/297)	Do.	28-2-79	Do.
39.	R. Venkataramani, (P/110)	Permanent Accounts Officer	28-2-79	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona-1.

1	2	3	4	5
S/Shri				
40. Kulbir Banga (P/244)	Permanent Accounts Officer	28-2-79	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
41. Anil Kumar Ghosh (P/154)	Do.	28-2-79	Controller of Accounts (Fys) Calcutta.
42. A. Narasimhamurthy (P/125)	Do.	28-2-79	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) South Madras.
43. V. Lakshmiarahan (P/63)	Do.	28-2-79	Controller of Accounts (Other Ranks) Defence Madras.
44. T. Kothandapani (O/298)	Officiating Accounts Officer	28-2-79	Do.
45. A.K. Dass (P/332)	Permanent Accounts Officer	28-2-79	Controller of Defence Accounts Patna.
46. Santosh Kumar Sen Gupta (P/18)	Permanent Accounts Officer	28-2-79	Controller of Accounts (Fys) Calcutta.
47. Shri Ram Bhargava (O/116)	Officiating Accounts Officer	28-2-79	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
48. Jagdev Paul Mehra (P/428)	Permanent Accounts Officer	28-2-79	Do.
49. K.V. Varghese (P/380)	Permanent Accounts Officer	28-2-79	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona-1.

2. The following is added as Para 2 to this departmental notification bearing No. 40011 (2)/78/AN-A dated 5-8-78.

"Shri Prem Chand Sharma Permanent Accounts Officer (P/645) has been granted leave pending retirement for 120 days for the period from 4-5-78 to 31-8-78 by C.D.A. WC, Meerut Cantt."

3. Having given three months notice from 15-5-78 (AN) for voluntary retirement from service with effect from 14-8-1978 (AN) under the provisions of Rule 48 (1) of C.C.S. (Pensions) Rules 1972 and the above notice having been accepted by the C.G.D.A. New Delhi, Shri T.K. Sahasrabudhe, Pt A.O. (P/433) who was on deputation to the Bharat Heavy Electrical Limited, Power Projects and services Headquarters New Delhi and was relieved of his duties in that office on 25-6-1978 (AN) on reversion to the D.A.D. has retired from service with effect from 14-8-78 (AN) and has been transferred to the Pension Establishment with effect from 15-8-1978 (AN).

He has been taken on the strength of CDA (O) Poona with effect from 26-6-1978 (AN) and has been granted earned leave from 26-6-1978 to 8-8-1978 (44 days) and half pay leave from 9-8-78 to 14-8-78 (6 days) by them. This period of leave will run concurrently with the notice period.

S. N. CHATTOPADHYAY

Dy Controller General of Defence Accounts (Pers).

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 11th June 1979

No. 32/79/G.—The President is pleased to appoint Shri Ravi Kumar PAUL J. D. as Asstt. Manager (Prob) w.e.f. 6th Jan., 1979.

No. 33/79/G.—The President is pleased to appoint Shri Tapas Kumar DATTA as Asstt. Manager (On Prob) w.e.f. 6th Jan., 1979.

The 13th June 1979

No. 31/79/G.—The President is pleased to accept the resignation of Shri M. H. Jeyachandran, Offg. Dy. General Manager (Subst & Permt. Manager) from I.O.F.S. with effect from 25/11/78(AN).

V K MEHTA, Asstt. Dir. Genl.
Ord. Fy. Board.

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & COOP.

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS & EXPORTS

New Delhi, the 16th June 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1302/79-Admn(G) 4457.—The President is pleased to appoint Shri P. M. A. Hakeem, IAS (MH: 69) as Joint 13—136GI/79

Chief Controller of Imports and Exports, Bombay with effect from the forenoon of 7th May, 1979, until further orders.

C. VENKATARAMAN, Chief Controller of Imports & Exports.

New Delhi, the 15th May 1979

No. 6/1261/78—ADMN(G)4376.—In partial modification of this office Notification No. 6/1261/78-Admn(G)/1092, dated 31-1-1979 Shri K. S. Sahasranaman, officiating Controller of Imports and Exports in the office of the Joint Chief Controller of Imports and Exports, Bombay was permitted to retire voluntarily from Government service with effect from 12th December, 1978 (FN) after availing of the leave preparatory to retirement.

2. This supersedes this office Notification No. 6/1261/78-Admn(G)/1092 dated 31-1-1979.

RAJINDER SINGH, Dy. Chief Controller
of Imports & Exports
for Chief Controller.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER

SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 8th May 1979

No. 12(347)/62-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri M. A. Bari, Deputy Director (IMT) Small Industries Service Institute, Gauhati as Director (Gr. II) (General Administrative Division) at Small Industries Service Institute, Solan on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 6th April, 1979.

The 19th May 1979

No. 12(71)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri K. L. Palit, an officer permanent as Deputy Director (Metallurgy) and *ad-hoc* Director (Gr. II) (Met.), Regional Testing Centre, Calcutta to retire from Government service on attaining the age of superannuation on the afternoon of 31st December, 1978.

No. 12(83)/61-Admn.(G).—Consequent on his deputation to Seychelles as Expert under the I.T.E.C. Programme for a period of 2 years, Shri F. A. Ryan relinquished charge of the post of Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the Regional Testing Centre, Madras with effect from the afternoon of 27th April, 1979.

No. 12(380)/62-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Project Officer (Fertilizer) in the Deptt. of Chemicals and Fertilizers, Ministry of Petroleum, Chemicals and Fertilizers, New Delhi, Shri J. Balasubramanian relinquished charge of the post of Deputy Director (Chemicals) in Small Industries Service Institute, Bangalore with effect from the afternoon of 6th April, 1979.

No. A-19018/318/77-Admn.(G).—Consequent upon his posting as Senior Research Officer in the Planning Commission, Shri S. N. Raghavan has relinquished charge of the post of Deputy Director (Statistics) in the Office of Development Commissioner (Small Scale Industries), New Delhi on the afternoon of 30th April, 1979.

No. A-19018/370/78-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Joginder Kumar Arya as Deputy Director (Mechanical) in Branch Small Industries Service Institute, Rourkela with effect from the forenoon of 17-3-1979 until further orders.

M. P. GUPTA
Deputy Director (Admn.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (Administration Section A-1)

New Delhi-1, the 13th June 1979

No. A-1/1(1139)/79.—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints Shri V. P. Tandon, Ty. Stores Officer (Civilian) (Pt. SSS) of the Officer Commanding, AFMSD, Bombay, on deputation to officiate as Assistant Director of Supplies (Grade II) in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi with effect from the forenoon of 26th May, 1979 and until further orders.

The 14th June 1979

No. A-1/42(25).—The Director General of Supplies and Disposals hereby appoints the following officers in the substantive capacity to the post and with effect from the date mentioned against each :—

S. No., Name of officer & Designation, Post against which appointed substantively and Date of confirmation :

S/Shri

1. J. L. Shah, Assistant Director (Admn.) (Gr. II) DI, Calcutta, Asstt. Director (Admn.) (Grade II)—1-3-1978.
2. G. D. Rao, Asstt. Director (Admn.) (Gr. II) DS&D, Bombay, Asstt. Director (Admn.) (Grade II)—1-6-1978.

The 15th June 1979

No. A-1/1(888).—The President is pleased to appoint Shri Sudhir Chandra, Asstt. Director (Lit.) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi as Assistant Director (Lit.) (Gr. I) on a temporary basis against a temporary vacancy in the same Directorate General with effect from the forenoon of 4-6-79 and until further orders.

K. KISHORE
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies and Disposals

(Admn. Section A-6)

New Delhi, the 8th June 1979

No. A-6/247(580).—The President is pleased to appoint Shri S. K. Pandey, Assistant Director of Inspection (Met.) in Grade III of Metallurgical Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A' to officiate as Dy. Director of Inspection (Met.) in Grade II of Metallurgical Branch of the Indian Inspection Service, Group 'A' with effect from the forenoon of 14th July, 1977 and until further orders.

2. Shri S. K. Pandey, relinquished charge of the post of Assistant Director of Inspection (Met.) in the office of Dy. Director of Inspection (Met.) Rourkela under the Dte. of Inspection (Met.) Tatanagar on the afternoon of 13th July 1977 and assumed charge of the office of Dy. Director of Inspection (Met.) at Durgapur under Directorate of Inspection (Met.) Burnpur on the forenoon of 14th July 1977.

P. D. SETH
Dy. Director (Admn.)

DEPARTMENT OF EXPLOSIVES

Nagpur, the 11th June 1979

No. E.11(7).—In this Department's Notification No. E.11(7) dated the 11th July, 1969, under Class 2—NITRATE MIXTURE, add "AMEX" after the entry "ALFADYNE".

I. N. MURTY
Chief Controller of Explosives

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES)

GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 12th June 1979

No. 3270B/A-19012(1-MPS)/78-19A.—Shri Mohinder Pal Singh is appointed as an Assistant Geologist in the Geological Survey of India on an initial pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 26th March, 1979, until further orders.

No. 3283B/A-32013(1-Asstt.Geol.)/78-19A.—Shri Durga Prasad Das, Senior Technical Assistant (Geology), Geological Survey of India is appointed on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 2nd February, 1979, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 16th June 1979

No. A19011(233)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri C. P. Ambesh to the post of Deputy Controller of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 5-5-79.

S. BALAGOPAL
Head of Office

SURVEY OF INDIA SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 11th June 1979

No. C-5513/718-A.—Shri K. V. Krishnamurthy, Officiating Office Superintendent (in the scale of pay of Rs. 700—900) of Pilot Map Production Plant is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post) on *ad-hoc* basis in the same office in the

scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 1st February 1979 *vice* Shri K. C. Bhattacharjee, Establishment and Accounts Officer, Pilot Map Production Plant proceeded on leave for 2 months from 1-2-1979.

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India
(Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 13th June 1979

No. 10/8/78-SII.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Rajiv Garg as Assistant Engineer at All India Radio, Gorakhpur in a temporary capacity with effect from the forenoon of 26th April, 1979 until further orders.

J. R. LIKHI
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL, DOORDARSHAN

New Delhi-110011, the 30th May 1979

No. A-19016(17)78-SI.—The Director General, Doordarshan hereby appoints Shri S. K. Kaushal, Transmission Executive, Doordarshan Kendra, Lucknow to officiate as Programme Executive at the same Kendra in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 7th February, 1979 until further orders.

H. C. JAYAL
Deputy Director of Administration

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 15th June 1979

No. A.12026/23/78(SD)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri A. K. Dutta, Accounts Officer in the office of the A.G., Manipal, Imphal

Bombay-85, the 18th May, 1979

No. Ref. 5/1/79—Estt.II/1906.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officials to officiate on an ad-hoc basis as Security Officers for the period shown against their names:—

Sl.No.	Name & Designation	Appointed to officiate as	Period	
			From	To.
1.	Shri K.S. Rawat Asstt. Security Officer	Security Officer	27-7-77 (FN)	23-9-77 (AN)
2.	Shri D.N. Pradhan Asstt. Security Officer	Security Officer	6-8-77 (FN)	14-9-77 (AN)
			17-9-77 (FN)	10-11-77 (AN)

The 23rd May 1979

No. Ref. 5/1/79—Estt.II/1958.—Controller, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri S. D. Bhonsale, Assistant Accounts Officer, to officiate as Accounts Officer-II on an *ad-hoc* basis for the period from 18-12-1978 to 20-1-1979.

KUM. H. B. VIJAYAKAR
Dy. Establishment Officer

to the post of Accounts Officer in the office of the Serologist & Chemical Examiner to the Government of India, Calcutta, with effect from the afternoon of the 31st March, 1979, and until further orders.

2. Shri K. C. Jana, relinquished charge of the post of Accounts Officer in the Office of the Serologist and Chemical Examiner to the Government of India, Calcutta in the afternoon of the 31st March, 1979, on reversion to the Office of the Chief Auditor, South Eastern Railway Calcutta.

S. L. KUTHIALA
Deputy Director Administration (O&M)

New Delhi, the 18th June 1979

No. A.32014/1/79-SI.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Rattan Singh in the post of Assistant Depot Manager (Group B Gazetted) at Government Medical Store Depot, Karnal with effect from the forenoon of 23rd April, 1979, on temporary basis and until further orders.

S. K. KARTHAK
Deputy Director Admn. (Stores)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 4th April 1979

No. PA/73(13)78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Chandraprabha Satyaprakash Mittal as Residential Medical Officer in Medical Division of this Research Centre is a purely temporary capacity with effect from the forenoon of March 7, 1979, to the afternoon of April 5, 1979.

The 6th April 1979

No. PA/73(16)78-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre appoints Dr. (Smt.) Amrita Misri as Resident Medical Officer in Medical Division of this Research Centre in a temporary capacity with effect from the forenoon of April 4, 1979 until further orders.

S. RANGANATHAN
Deputy Establishment Officer (R)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 27th April 1979

No. PPED/3(283)/76-Adm./7488.—In continuation of this Division's notification of even number dated March 1, 1979 Shri P. Vasu, a permanent UDC of BARC and officiating Asstt. Accountant in this Division who was appointed as Asstt. Accounts Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 26, 1979 to the afternoon of April 18, 1978 has been permitted to continue to hold temporary charge of the same post upto the afternoon of May 5, 1979.

The 19th May 1979

No. PPED/3(236)/79-Adm./8796.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint the undermentioned personnel of this Division as Scientific Officers/Engineers-Grade 'SB' in the same Division in a temporary Capacity with effect from the forenoon of February 1, 1979 until further orders:—

Sl.No.	Name	Present Grade	Permanent post held if any.		
1.	Shri V.P. Mahajan	Draughtsman 'C'			
2.	Shri S.R. Pendharkar	Do.			
3.	Shri N.F. Daruwala	Scientific Assistant 'C'	Scientific	Assistant	'B'
4.	Shri S.S. Arora	Do.			
5.	Shri N.P. Pillai	Do.	Q.P. Scientific	Assistant	'B'
6.	Shri S. Durairajan	Do.			

The 4th June 1979

No. PPED/3(283)/78-Adm.9005.—Reference is invited to this office notification dated April 16, 1979 appointing Shri N. Krishnakumar, a permanent Lower Division Clerk and officiating Assistant Accountant in this Division as Assistant Accounts Officer with effect from March 30, 1979. Shri Krishnakumar, Assistant Accounts Officer stand, reverted as Assistant Accountant with effect from the afternoon of March 22, 1979.

The 12th June 1979

No. PPED/3(262)/76-Adm./9452.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri N. T. Varwani, a permanent Selection Grade Clerk of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of June 7, 1979 to July 13, 1979 *vice* Shri R. Sarangapani, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

B. V. THATTE
Administrative Officer

DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400001, the 13th June 1979

No. DPS/2/1(19)/77-Adm/16117.—Director, Purchase and Stores Department of Atomic Energy, appoints Shri G. C. Gupta, a temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as a temporary Assistant Stores Officer on an *ad-hoc* basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate with effect from 14-5-79 upto 16-6-1979 *vice* Shri B. D. Kandpal, Assistant Stores Officer, Stores Unit (DPS), N.A.P.P., Narora granted leave.

C. V. GOPALAKRISHNAN
Assistant Personnel Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 13th June 1979

No. Ref. HWP/Estt/1/J-6/1798.—Officer-on Special Duty Heavy Water Projects, appoints Shri J. L. Jain, Stenographer (Senior) of Heavy Water Project (Kota), to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project, in a temporary capacity, on *ad-hoc* basis, from December 14, 1978 to February 9, 1979 *vice* Shri K. T. Jose, Assistant Personnel Officer, granted leave.

R. C. KOTVANKAR
Administrative Officer

REACTOR RESEARCH CENTRE

Kalpakkam, the 31st May 1979

No. RRC/PF/3193/79-8640.—Project Director, Reactor Research Centre hereby appoints SHRI TINDIVANAM SUNDARESA VISWANATHAN AIYAR, a permanent Assistant Personnel Officer of Rajasthan Atomic Power Project in the Centralised Cadre of the Department of Atomic Energy as Administrative Officer-II in the Reactor Research Centre in an officiating capacity with effect from the forenoon of May 26, 1979 until further orders.

P. V. SOMANATHAN
Chief Administrative Officer
for Project Director

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 15th June 1979

No. E(1)00622.—On attaining the age of superannuation Shri George Alexander, Dy. Director General of Meteorology (Instruments), New Delhi, India Meteorological Department, retired from the Government service with effect from the afternoon of 31st May, 1979.

No. E(1)04048.—Shri G. N. Das, Assistant Meteorologist, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta, India Meteorological Department, expired on the 3rd April, 1979.

G. R. GUPTA
Director
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 14th June 1979

No. AI 32014/4/78-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri K. L. Karmakar, Communication Assistant, Aeronautical Communication Station, Patna to the grade of Assistant Communication Officer on regular basis w.e.f. 30-4-79(FN) and to post him in the office of the Regional Director, Calcutta.

S. D. SHARMA, Dy. Dir of Adm.

New Delhi, the 6th June 1979

No. AI2026/1/79-ES.—The President is pleased to appoint on the basis of transfer on deputation of the under-mentioned officers of the Indian Air Force to the Grade of Pilot/Co-Pilot in the Civil Aviation Department w.e.f. 8-5-79(FN) until further orders as indicated against their names :—

- (i) Sqr. Leader J. J. Joseph—Pilot
- (ii) Sqr. Leader K. S. Rana—Co-Pilot.

No. A-38013/1/79-EA.—Shri A. S. Jadeja, Aerodrome Officer, Civil Aerodrome, Rajkot, retired from Government Service on the 31st May, 1979 A.N. on attaining the age of superannuation.

V. V. JOHRI, Assistant Dir. of Adm.

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 8th June 1979

No. 1/83/79-Est.—The Director General, OCS, hereby appoints Shri A. K. Verma, Traffic Accountant, Head Quarters Office, Bombay as Traffic Accounts Officer, in an officiating capacity, on *ad-hoc* basis, for the period from 16-4-79 to 17-6-79 (Both days inclusive) against a short-term vacancy.

No. 1/363/79-Est.—The Director General, OCS, hereby appoints Shri Marcus Fernandez, Supervisor, Bombay Branch as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity in the same Branch, for the period from 15-11-1978 to 11-1-1979, (both days inclusive) against a short term vacancy on *ad-hoc* basis, and from the 2nd April, 1979 and until further orders, on a regular basis.

No. 1/367/79-EST.—Shri R. L. Menezes, Deputy Traffic Manager, Bombay Branch, has retired from service on the afternoon of the 31st March, 1979, on attaining the age of superannuation.

P. K. G. NAYAR, Dir. (Adm.)
for Director General.

Bombay, the 11th June 1979

No. 1/35/79-Est.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri S. K. Dhawan, Senior Foreman, Bombay Branch, as Chief Mechanician in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from

the forenoon of the 2nd April, 1979, and until further orders, on a regular basis.

No. 1/51/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri Uday Kumar Sinha, as Assistant Engineer, in a temporary capacity in D.T.S., Poona with effect from the forenoon of the 16th April, 1979 and until further orders.

No. 1/311/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri A. S. Paes, Supervisor, Bombay Branch as Dy. Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch for the periods from 1-11-78 to 23-12-78 and from 21-2-79 to 31-3-79 against short-term vacancies, purely on *ad-hoc* basis.

H. L. MALHOTRA,
Dy. Dir. (Admn.)
for Director General

Bombay, the 11th June 1979

No. 1/430/79-EST.—The Director General, OCS, hereby appoints Shri Narain Singh, Superintendent, Dehra Dun

Branch as Assistant Administrative Officer in an officiating capacity, in the same Branch, with effect from the forenoon of the 2nd April, 1979, and until further orders.

No. 1/452/79-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. Balasubramanian Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer, in an officiating capacity in the same office on a regular basis, with effect from the forenoon of the 4th May, 1979, and until further orders.

P. K. G. NAYAR,
Director (Admn.)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Nagpur, the 13th June 1979

No. 3/79.—Consequent upon his promotion as Superintendent of Central Excise, Group 'B', Shri B. B. Porey, Inspector, Central Excise (S.G.) has assumed charge of Superintendent of Central Excise, Group 'B', R.B.C. Unit, Division-II, Nagpur in the forenoon of the 27th April, 1979.

S. K. DHAR,
Collector

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPTT.

New Delhi, the 13th June 1979

No. 33/5/78-EC-9.—The Director General of Works CPWD, is pleased to appoint the undermentioned nominees of the U.P.S.C. as Assistant Architect against temporary post in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from the dates and pay shown against each:—

S. No.	Name	Date of apptt. as Assistant Architect	Pay	Remarks
1.	S/Shri S.N. Sehgal	31-5-79 FN	Rs.650/-P.M.	His Pay will be refixed according to rules shortly Do.
2.	Dharam Singh	21-5-79 AN	Rs. 650/-P.M.	

2. Both the Officers are placed on probation for a period of two years from the dates of their appointment as Assistant Architects as shown above.

3. Shri S.N. Sehgal is posted in SA (H&TP) I Unit CPWD, New Delhi, and Shri Dharam Singh is posted in SA (Food) VI Unit CPWD, New Delhi.

KRISHNA KANT
Dy. Director of Administration
for Director General of Works

New Delhi, the 13th June 1979

No. 27-E/T(15)/78-EC.II.—Shri K. S. Tyagi, Executive Engineer (Civil) of this Department, working as Surveyor of Works (II) in the Office of the Chief Engineer, Arunachal Pradesh, New Itanagar, expired on 5th June, 1979, while in service.

B. R. RATTU,
Dy. Dir. of Admn.
for Director-General (Works)

Northern Railway New Delhi, June 1979

No. 11.—The following officers of Transportation (Traffic) & Commercial Department, Northern Railway have finally retired from Railway Service from the dates noted against each:—

S. No.	Name	Date from which finally retired.
1.	Shri V.P. Dubey, SCO (G) /HQ.	31-1-1979 AN.
2.	Shri D.R. Bhaskar, ATS/ASR.	31-1-1979 AN.
3.	Shri Pritam Singh, AS/PC/HQ.	31-3-1979 A.N.
4.	Shri T.R.A. Prakash, SS/DLI.	30-4-1979 AN.
5.	Shri Waman Laxman, DSO/MB.	31-5-1979 AN.

S. N. SACHDEV
General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS (COMPANY LAW BOARD)

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Madras, the 12th June 1979

No. 3620/LIQN/560/79.—Whereas Maharajan & Company Private Limited (in liquidation) having its Registered office at 176, High, Road, Tirunelveli is being wound up,

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that the affairs of the company have been completely wound up and that the statement of accounts required to be made by Liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now therefore, in pursuance of the provisions of sub-sec. (4) of Sec. 560 of the Companies Act 1956 notice is hereby

given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Maharajan & Company Private Limited (in liqn.) will unless cause is shown to the contrary be struck off the register and the company will be dissolved.

Dated at Madras this 12th day of June 1979.

Y. SATYANARAYANA,
Asst. Registrar of Companies,
Tamilnadu

Hyderabad, the 14th May, 1979

In the matter of the Companies Act, 1956 M/s. Kaithmangalam Chitfund Pvt. Ltd.

No. 784/Liquidation.—By an order dated 20/11/1978 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 13/1976 it has been Ordered to windup M/s. Kaithmangalam Chit Fund Pvt. Ltd.

J. G. GATHIA,
Registrar of Companies,
Gujarat, Ahmedabad.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
'Pondicherry Chemicals Private Limited'*

Pondicherry, the 14th May 1979

C. No. 134.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name 'Pondicherry Chemicals Private Limited' has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

S. R. V. V. SATYANARAYANA,
Registrar of Companies,
Pondicherry.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi the 15th June 1979

INCOME TAX DEPARTMENT

No. C.I.T. /Coord./Pub./Delhi-I/77-78/7229.—Following is list showing the names of Individual and HUFs., who have been assessed on a Wealth of a more than ten lakhs of rupees during the Financial Year 1977-78 (i) indicates status 'I' for Individual and 'H' for H.U.P. (ii) for assessment year (iii) for Health returned (iv) for wealth assessed (v) for tax payable by the assessee (vi) tax paid by the assessee :—

(1) Angira Devi, 4634, Ajmeri Gate, Delhi (i) I (ii) 1970-71, 71-72, 72-73, 73-74, 74-75 & 75-76 (iii) 13,13,216, 1, 19,352, 2,04,250, (-)5,51,213,(-) 3,64,986, (-)2,35,76;

(iv) 16,19,760, 15,00,465, 13,89,459, 11,25,486, 12,93,690, 16,29,775 (v) 26,640, 64804, 58,731, 23,197, 28,244, 50,342 (vi) 26,640, 64804, 58,751, 23,197, 28,244, 50,342 (2) Desh Raj Gupta, 4634, Ajmeri Gate, Delhi (i) I (ii) 1974-75 (iii) 1,35,063 (iv) 12,63,691 (v) 22,911 (vi) 21,458 (3) Harish Kumar Aggarwal 40,42 Janpath, New Delhi (i) Y (ii) 1977-78 (iii) 12,37,898 (iv) (iv) 12,97,590 (v) 21,040 (vi) 21,040 (4) B. B. Patel C/o Mohinder Puri & Co., Chartered Accountant, Connaught Place, New Delhi (i) I (ii) 1968-69, 69-70, 70-71, 72-73 (iii) 15,45,069, 16,24,463, 9,31,700 10,52,561 (iv) 17,90,901, 22,36,517, 15,79,354, 16,84,004 (v) 22,818, 39,096, 16,489, 44,720 (vi) 15,001, 30,081, Nil, 26,017.

K. N. MOTANI,
Commissioner of Income-tax,
Delhi-I, New Delhi.

INCOME-TAX DEPARTMENT

Lucknow, the 13th June 1979

No. 106.—Shri Bishan Singh Hyanki (SI), Inspector of Income-tax, Office of the Income-tax Officer, Nainital has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Officer on Special Duty, C.I.T.'s Office, Lucknow on 30-10-1978 in the fore-noon.

No. 107.—Shri Sia Ram Tripathi, Inspector of Income-tax, Office of the Income-tax Officer, Fatehpur has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Tax Recovery Officer, Gorakhpur on 30-10-1978 in the fore-noon.

No. 108.—Shri Sangam Lal Srivastava, Inspector of Income-tax, Office of the Commissioner of Income-tax, Allahabad has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-200. On promotion he joined as Income-tax Officer, Collection, CIT's Office, Allahabad on 30-10-78 in the forenoon.

No. 109.—Shri Parma Nand Kansal, Inspector of Income-tax Office of the I.A.C. (Audit), Lucknow has been promoted to officiate as Income-tax Officer (Gr. B) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200. On promotion he joined as Income-tax Officer, C-ward, Salary Circle, Lucknow on 8-12-78 in the afternoon.

S. K. LALL,
Commissioner of Income-tax,
Lucknow.

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 23rd June 1979

Ref. No. IAC/Acq-III/6-79/355.—Whereas I, D. P. Goyal being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. MCD No. 104, Plot No. 198 situated at Village Ghondli in Azad Nagar Krishan Nagar, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on 24-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely :—

- (1) Shri Amar Singh S/o Sahib Singh
(2) Gulshan Singh alias Gurcharan Singh S/o
Amar Singh R/o E-3, East of Kailash New Delhi.
(Transferor)

- (2) M/s. Vikas Construction Co. through its partner Sh. B. P. Goel R/o F-3/25, Krishan Nagar Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property bearing Municipal No. 104 constructed on a plot No. 198 measuring area land under heath 300 sq. yds., situated in the abadi of Azad Nagar (Near Krishan Nagar) in the area of village Ghondli, Illaqa Shahdara Delhi-51, bounded as under :—

East : Gali
West : Road
North : Plot No. 196
South : Plot No. 200

D. P. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range III
Delhi/New Delhi

Date : 3-6-1979,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jyotirmoy Saha, Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Pijush Kanti Banik, 2. Shri Monoj Kanti Banik
Vikamchand School Road, Karimganj.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX (C.A.)

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 4th April 1979

Ref. No. A-212/KMJ/78-79.—Whereas, I R. N. Bara, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 14780/91 Daswana Taluk Md. Wachil situated at Pargana Kushir Kul, Mouza Benamali (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karimganj on 19-3-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 7 Katha (Bengali) along with an old house of assam type situated at M. M. Road of Karimganj in the district of Cachar (Assam).

R. N. BARA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 4-4-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nirmaleswar Chaliha, Golaghat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 4th April 1979

Ref. No. A-215/GLC/78-79/2-3.—Whereas, I R. N. Bara, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. T.P.P. No. 1 Dag No. 437 situated at Bhog chong, Naragoan of Mouza Mawkhowa, Golaghat Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Golaghat on 13-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—
14—136GI/79

(2) Shri Arun Kumar Hazarika, S/o L. Maheswar Hazarika, Krishnanagar, Ward No. 6 of Golaghat Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) Bigha 2 (two) Katha 10 (ten) Locha situated at Krishnanagar, Mouza Mawkhowa of Golaghat Town in the district of Sibsagar (Assam).

R. N. BARA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 4-4-1979

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Arun Kumar Hazarika, S/o L. Maheswar Hazarika Krishna Nagar, Ward No. 6, Golaghat Town.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Motilal Agarwalla, S/o L. Ramnath Agarwalla Ward No. 7, Golaghat Town.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SHILLONG

Shillong, the 4th April 1979

Ref. No. A-216/GLG/78-79/8-9.—Whereas, I R. N. Bara, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. T.P.P. No. 1 and Dag No. 437 situated at Bhog Chong, Naragoan, Golaghat Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Golaghat on 3-1-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Land measuring 1 (one) Bigha 2(two) Katha 10 (ten) Lacha situated at Krishnanagar, Mouza Mowkhowa of Golaghat Town in the district of Sibsagar Assam.

R. N. BARA

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong

Date : 4-4-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4900.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/77 to 84A (part), situated at Rangey Gowder St., Coimbatore

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 3135/78) in Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. Nanjappa Chettiar
K. Krishnamurthy,
16/36, 16/79, Lingappa Chetty St.,
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) N. R. Sundarlal, N. R. Subramanian,
25/868, Rangey Gowder St.,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 27/77 to 84A, Rangey Gowder St., Coimbatore (part).
(Doc. No. 3135/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 12-6-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.**

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4900.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27/77 to 84A (part), situated at Rangey Gowder St., Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 3136/78 in Oct. 1978) for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) K. Nanjappa Chettiar
K. Krishnamurthy,
16/36, 16/79, Lingappa Chetty St.,
Coimbatore.

(Transferor)

- (2) N. R. Saraswathi Ammal W/o N. S. Rajulu
25/868, Rangey Gowder St.,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 27/77 to 84A, Rangey Gowder St., Coimbatore (part).

(Doc. No. 3136/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 12-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 8379—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 62, situated at Mariamman Koil St., Karaikkal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Karaikkal (Doc. No. 561/78) in Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Ramachandran, Chettiar
Danapal Chettiar,
Ramalingam
S/o Sundaram Chettiar
62, Mariamman Koil St.,
Karaikkal.

(Transferor)

(2) Haji S. K. T. Mohammed Sultan
M. E. Habuka Ummal
24, Musthapa Kamam St.,
Karaikkal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 62, Mariamman Koil St., Karaikkal. (Doc. No. 561/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 12-6-1979
Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 6743—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 29/1A2, situated at Pallavaram (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pallavaram (Doc No. 2284/78) (Items 118 to 123) in Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) S. S. Palaniappan, S/o S. S. Subbiah Chettiar and others,
18, Prithvi Avenue, Madras-18.

(Transferor)

(2) K. R. Meenakshi Sundaram
K. R. Karuppiyah (Alias) Alagappan
K. R. Annamalai
K. R. S. A. Karuppan Chettiar
K. R. Palaniappan
K. R. Sathalingam
Pulankurichi, Ramanathapuram Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, building and machinery etc. in S. No. 29/1A2 (part) at Pallavaram.
(Doc. No. 2284/78) (Items 118 to 123/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006.

Date : 12-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Pierre Rassendiran
40, Montorsier St.,
Pondicherry-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Emperumal,
3/50, Mariamman Koil St.,
Morisamthottam, Reddiarpalayam
Pondicherry.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madrass-600 006, the 12th June 1979

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. 8387.—Whereas, I O. ANANDARAM
being the Competent Authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing
No. 8 Nos. 396, 397, 398, 399, 400, 401, 403, 404, 406, 407
R.S. No. 84 Oulgaret Village, Pondicherry
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Oulgaret Pondicherry (Doc. No. 1107/78) on Oct 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefore by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for which transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferer to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1937
(27 of 1937);

THE SCHEDULE

Lands at R. Nos. 396, 397, 398, 399, 400, 401, 403, 404,
406, 407 R.S. No. 84 Oulgaret Village, Pondicherry.

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madrass-600 006.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 12-6-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.**

MADRAS-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 8376.—Whereas, I O. ANANDARAM KER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961) (43 of 1961), (hereinafter referred as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. —, situated at Lappoor Thone St., Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 1832/78) on Oct 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) T. Sundaramurthy,
18, Lappoor Thone St.,
Pondicherry.

(Transferor)

- (2) Purushothaman Sechar,
Purushothama Naicker St.,
Tenga Thitta Village,
Mudaliarpet, Pondicherry.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Lappoor Thone St., Pondicherry.
(Doc. No. 1832/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006.

Date : 12-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) K. Raghavachariar,
S/o V. Krishnaswamy
57, Pachaiappa Mudali St.,
Kumbakonam,

(Transferor)

(2) R. Mallika, W/o N. V. Ramachandran
68, Kizhkadalangudi St.,
Kumbakonam,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

MADRAS-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 8375.—Whereas, I O. ANANDARAM
being the competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 57, situated at Pachaiappa Mudali St., Kumbakonam
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kumbakonam (Doc No. 1819/78) on Oct. 1978

for an apparent consideration
which is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market value
of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-
tion therefore by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building at 57, Pachaiappa Mudali St.,
Kumbakonam.

(Doc. No. 1819/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006.

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

15—136G1/79

Date : 12-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

MADRAS-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 8402.—Whereas, I O. ANANDARAM being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S. No. 491/1 & 491/2 (part), situated at Periakuppam Village, Trivellore Taluk, Chingleput Dt. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Trivellore (Doc. No. 3110/78) on Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (1) The Meelec Nutriment & Pharmaceuticals Ltd.
C/o. A. S. Ramachandran 45, Narayana Mudali St., Madras-1.
(2) Shahabad Investment & Traders (P.) Ltd.
Patna rep. by V. Emberumannar Chetty,
Debenture Trustee.

(Transferor)

- (2) N. Balasubramanian S/o K. E. Natesa Chettiar
60, Muthia St., Periakuppam Village, Tri Vellore Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building in S. No. 491/1 and 491-2 (part) Periakuppam Village, Trivellore Taluk, Chingleput Dt. (Doc. No. 3110/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600 006.

Date : 12-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) Larsen & Toubro Employees' Co-Op. House Building Society
9-10, Club House Road, Madras-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

(2) Mrs. Y. G. Parthasarathy,
No. 1, Lakshmi Colony, Madras-17.
Mr. S. Krishnamurthy,
Smt. Lakshmi,
No. 40, Madhava Road, B. M. K. Nagar, Madras-34.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 6747.—Whereas, I O. ANANDARAM
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
No. 13, situated at North Crescent Road, Madras-17
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
T. Nagar, Madras (Doc. No. 1142/78) in Oct. 1978
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid
property, and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen per cent of
such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons
whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the Act, in respect
of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Land at 13, North Crescent Road, Madras-17.
(Doc. No. 1142/78).

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
Persons, namely :—

Date : 12-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4924.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7/28, Town Head Quarters, situated at Road, Coimbatore (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Coimbatore (Doc. No. 3359/78) in Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely :—

(1) R. K. R. Karthikesan,
6/28, Race Course Road,
Coimbatore.

(Transferor)

(2) G. R. Balasubramaniam, R. Rajendran
S/o Rajagopal Chettiar,
15, Muthuvinayakar Koil St.,
Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at 7/28, Town Head Quarters Road, Huzur Road, Coimbatore.

(Doc. No. 3359/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commission of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 12-6-1979

Seal

FORM ITNS—

(1) S. Dharmaraj For D. Janardhanan,
No. 13, Sir C. V. Raman Road, Alwarpet,
Madras-18.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4905.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 15/22, Raghupathy Layout, situated at Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Gandhipuram, Coimbatore (Doc. No. 2614/78) in Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) K. S. Narasimhiah, S/o Late Veeranam Subramania Iyer, K. N. Venkataraman, S/o K. S. Narasimhiah, No. 34 and 34/1, Ponnurungam Road (West) RS Puram, Coimbatore-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

Land and building 15/22, Site No. 22, Raghupathy Layout, Sanganur Village, Coimbatore.

(Doc. No. 2614/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 12-6-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4895.--Whereas, I O. ANANDARAM being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing S. No. 119/1, 129/2, 129/3A, situated at 129/3C, 129/3E, Yedappalli, Coonoor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Doc. No. 1314/78) in Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Tejibai, W/o J. Anupchand Jhabakh,
Sri Anupam, Mount Pleasant, Road,
Coonoor.

(Transferor)

(2) G. Prasanchand Jhabakh, S/o L. Goolabchand
Jhabakh, Kalyankunj, Balaclava,
Coonoor.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in Survey Nos. 119/1, 129/2, 129/3A, 129/3C, 129/3E, Yedappalli Village, Coonoor.

(Doc. No. 1314/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600 006.

Date : 12-6-1979
Seal :

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4896.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. Survey Nos. 150/3A, 150/4, 157/1B, 150/1A, 150/2, 150/2, 150/4, 150/3B, 150/5A/1, 150/5A/2, 157/1A, at 157/1B, 157/3A, 157/3B, Yedappalli Village, Coonoor. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (11 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coonoor (Doc. No. 1317/78) on Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) M/s. Lalchand Anopchand & Co.,
Mount Road,
Coonoor.

(Transferor)

- (2) G. Prasanchand Jhabakh,
S/o L. Goolabchand Jhabakh,
Kalyankunj, Balachava, Coonoor.

(Transferee)(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in Survey Nos. 150/3A, 150/4, 157/1B, 150/1A, 150/2, 150/4, 150/3B, 150/5A/1, 150/5A/2, 157/1A, 157/1B, 157/3A, 157/3B, Yedappalli Village, Coonoor.
(Doc. No. 1317/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006.

Date : 12-6-1979
Seal

FORM ITNS—

(1) Srinivasan, S/o late Bashyam Iyengar
Power of Attorney of Smt. Radha Vasudevan,
No. 2, Arts College Road, Coimbatore-18.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madrass-600 006, the 12th June 1979

Ref. No. 4892.—Whereas, I O. ANANDARAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. —, situated at Alangiyam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dharapuram, (Doc. No. 1827/78) on Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Shri Chinna Karuppanna Devar
Alangiyam (PO)
Dharapuram Taluk
Coimbatore Dt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands at Alangiyam measuring 3 Acres and 30 cents.
(Doc. No. 1827/78).

O. ANANDARAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madrass-609 006.

Date : 12-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th June 1979

No. 8391.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 184, situated at Bharathi St., Pondicherry (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been, transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pondicherry (Doc. No. 1912/78) on Oct. 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

(1) Joseph Anthony, swamy
Lupatsteen Adaikalam Rep. by
Agent, Adaikalam Anthuvan, 49,
Rangapillai St., Pondicherry.

(Transferor)

(2) Mrs. Rayar (Antoinette Marie, Louise)
Agent of Rayar (Yean, Marie Porsper Charles)
60, Savarirayalon, Pondicherry.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 184, Bharath St., Pondicherry (Doc. No. 1912/78).

O. ANANDARAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 12-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 12th June '979

No. 4928.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.F.No. 242/3, situated at Ganapathy Village, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2552/78) on Oct. 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Chellammal W/o. Thangamuthu Gounder
Marudbathal W/O. Vellingiri gounder
Vellakinaru, Vadavalli, Maruthamalai Road,
Coimbatore

(Transferor)

(2) R. Damodaraswamy, S/o. Ramaswamy Naidu
30D, Syriankandathu Colony, New Siddhaputhur,
Coimbatore. 641018

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. N. 242/3, Ganapathy Village, Coimbatore
(Doc. No. 2552/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600006

Date : 12-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Chellammal, W/o. Thangamuthu Gounder
Vadavalli, Maruthamalai Road,
Coimbatore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) R. Damodaraswamy S/o. Ramaswamy Naidu
30D, Syriankandathu Colony,
New Sidhaputhur, Coimbatore 641018

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 12th June 1979

No. 4928.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S.F.No. 242/1, situated at Ganapathy Village, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at coimbatore (Doc. No. 2551/78) on Oct. 1979. for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269 C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at S. No. 24/1, Ganapathy Village, Coimbatore
(Doc. No. 2551/78)

O. ANANDARAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600006

Date : 12-6-1979
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Chellammal W/o. Thangamuthu Gounder
Vadavalli, Maruthamalai Road,
Coimbatore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras 600006, the 12th June 1979

No. 4928.—Whereas, J. O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- S.F. No. 242/3, situated at Ganapathy Village, Coimbatore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Coimbatore (Doc. No. 2550/78) on Oct. 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) D. Sarojini W/o. R. Damodaraswamy
30D, Syriankandathu Colony, New Sidhaputhur,
Coimbatore. 641018

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land in S. No. 242/3 at Ganapathy Village, Coimbatore.
(Doc. No. 2550/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 12-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

(1) A. Sampathkumar
138, Main Road, Annur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Duraiswamy, Cotton Merchant
Allapalayan (PO)
(Via) Annur,
Coimbatore

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madrass-600006, the 12th June 1979

No. 4891.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7/3, 4, 5, 6, 7 & 9, 9A,, situated at Annur Village, Avinashi Taluk (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on Annur (Doc. No. 1072/78) on Oct. 1978. for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at building at 7/3, 4, 5, 6, 7, 9, & 9A, Annur Village, Avinashi Tk. (Doc. No. 1972/78).

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madrass-600006

Date : 12-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madras-600006, the 12th June 1979

No. 6759.—Whereas, I, O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Vadagaram, Aminjikarai, Madras. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam, Madras (Doc. No. 3463/78) on Oct. 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) A. P. Chandrasekaran,
43, Pantheon Road,
Madras-8

(Transferee)

(2) Kwalify Dyers, 30, Nayniappa Maistry
St., Madras-14

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 12, Vadagaram, Aminjikarai, Madras
(Doc. No. 3463/78)

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madras-600006

Date : 12-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

Madrass-600006, the 12th June 1979

No. 6728.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 184, situated at Mount Road, Madras-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane, Madras (Doc. No. 821/78) on Oct. 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—116G1/79

(1) Western India Theatres Ltd.,
Liberty Bldg., 41/42, Marine Line,
Bombay-20.

(Transferor)

(2) Rajesh Enterprises,
6, Badriah Garden St.,
Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 184, Mount Road, Madras-2. (Doc. No. 821/78).

O. ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Madrass-600006

Date : 12-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600006

MADRAS-600006, the 12th June 1979

No. 6737.—Whereas, I O. ANANDARAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number Plot No. 10, D. No. 29, situated at Chamiers Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Mylapore, Madras (Doc. 1518/78) on Oct. 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) K. S. Subramaniam,
43/D2, St. Mary's Road, Madras-18.
(Transferor)

(2) K. Sarada w/o Dr. K. C. Reddy,
53/1, Harrington Road,
Madras-31.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at 29. (Plot No. 10) Chamiers Road, Madras. (Doc. No. 1518/78).

ANANDARAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
MADRAS-600006

Date : 12-6-1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1259/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registration officer

at Jabalpur on 26th October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

17—136GI/79

(1) Bhagwandas S/o Shri Boolchand Roopchandani, (2) Smt. Hirabai, W/o Shri Bhagwandas, through Shri Bhagwan, Napier Town, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Shri Tekchand, S/o Shri Ghanshyamdas Keshwani, Sarafa, Ward, Jabalpur, P/c M/s. Popular Bread Factory.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House known as "Ashish" bearing old corporation No. 1072, Napier Town, Jabalpur standing on Nazul plot bearing No. 4/1 & 4/2, New No. 4/7, Sheet No. 1, Civil Station Jabalpur—plot measuring 5479 sq. ft.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-5-79

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1260/79-80.—Whereas I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 24th October 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Shishir Kumar (2) Sharad Kumar, s/o Shri Sharadchand Dubey, Dubey Colony, House No. 2, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Dilip Hanumant Bhusari, 96, Silavatpura, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 1, Dubey Colony, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-5-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Anand Chirmule, S/o Shri Vinayak Chirmule,
Bima Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ramdas Prasad, S/o Shri Kanhaiyalalaji Prasad,
(2) Smt. Sushil Prasad, W/o Shri Ramdas Prasad,
New Girls' College, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL, M.P.

Bhopal, the 29th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1261/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House situated at Indore and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 30th October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

18—126GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House at Plot No. 6, Bima Nagar, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-5-79

Seal

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1262/79-80.—Whereas, I,
B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 20th October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Radheyshyam and
2. Shri Sitaram,
Sons of Shri Babulalji Nougaja,
Vill. Louharda, Tah. Bagal, Distt. Dewas.
(Transferor)
- (2) Shri Chaturbhuj,
S/o Shri Premchandji Sharma,
Udapura, House No. 51, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 1/16, Mahesh Nagar, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-5-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1263/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House situated at Jabalpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 14th December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—116GI/79

- (1) Shri Gurmukhdas S/o Shri Rewachand, Manisha Building, Wright Town, Jabalpur.

(Transferor)

- (2) Shri Naraindas S/o Shri Kimatram, Naya Mohalla, Jabalpur.

((Transferee))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by way of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 861/1 to 861/2C and land 24001 sq. ft., Sheet No. 81, Part of Plot No. 198/1 at Bhartipur, Muhalla Rashidganj, Marhatal Ward, Jabalpur.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-5-79
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 29th May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1264/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Mundwara (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mundwara on 13th November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Shri Khushiram Kakwani
S/o Shri Hiranand Kakwani and
2. Smt. Sushila Rani W/o Shri Khushiram Kakwani,
Sawarkar Ward, Mundwara, Distt. Jabalpur.
(Transferor)
- (2) 1. Shri Laxmandas S/o Bhawandas
2. Smt. Rukhi Bai W/o Shri Bhawandas Sindhi,
Gurunanak Ward, Mundwara, Distt. Jabalpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 249 (Part) Gurunanak Ward, Mundwara.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 29-5-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1265/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 19th October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dev Parasnathji Jain Mandir, Ghanshyam Budhuvya Singhai (Private Mandir), Sarafa, Sagar through Laxmichand Modi, Trustee. (Transferor)

(2) M/s. Mannulal Nannulal S/o Girdharilal Maheshwari Through partner Shri Krishnapal Nannulal Maheshwari,, Katra, Sagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 18, Katra, Sagar.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-5-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.**

Bhopal, the 31st May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/PBL/1266/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Sagar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 19th October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dev Parasnathji Jain Mandir,
Ghanshyam Budhuvya Singhai (Private Mandir),
Sarafa, Sagar through Shri Laxmichand Modi,
Trustee.

(Transferor)

(2) Smt. Kaushalyabai Shahu and
Shri Badhelal Maheshwari,
Katra, Sagar.

((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 18, Katra, Sagar.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-5-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1267/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Sagar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 19th October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
18—136GI/79

(1) Shri Dev Parasnathji Jain Mandir,
Ghanshyam Budhuvya Singhai (Private Mandir),
Sarafa, Sagar through Laxmichand Modi, Trustee.
(Transferor)

(2) Smt. Droupati Bai Shahu,
Katra, Sagar.

((Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 18, Katra, Sagar.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-5-1979
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1268/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (part) situated at Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 19th October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Dev Parasnathji Jain Mandir,
Ghanshyam Budhuvya Singhai (Private Mandir),
Sarafa, Sagar through Laxmichand Modi, Trustee.
(Transferor)

(2) Smt. Saraswatibai Shahu,
Katra, Sagar.

((Transferee))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 18, Katra, Sagar.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-5-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 31st May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1269/79-80.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (part) situated at Sagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sagar on 19th October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dev Parasnathji Jain Mandir Ghanshyam Budhuvya Singhai (Private Mandir) Sarafa, Sagar through Shri Laxmichand Modi, Trustee.

(Transferor)

- (2) Smt. Ramshri Bai Shahu, Katra, Sagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 18, Patra, Sagar.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 31-5-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P

Bhopal, the 31st May 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL./1270/79-80.—Whereas, I. B. L.
RAO,being the Competent Authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearingHouse (part) situated at Sagar
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer,
at Sagar on 19th Oct. 1978
for an apparent consideration**which is less than the fair market value**
of the aforesaid property, and I have reasons to believe that
the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen
per cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the parties
has not been truly stated in the said instrument of transfer
with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
-
- of the transferor to pay tax under the said Act in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act
I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-
said property by the issue of this notice under sub-section (1)
of Section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

- (1) Mrs. Mannulal Nannulal, S/o Girdharilal Mahesh-
-
- wari, through partners (1) Krishnapal, (2) Smt.
-
- Kaushalya Bai (3) Radheshyam, Katra, Sagar.
-
- (Transferor)

- (2) Smt. Shakuntala Singhai, W/o Shri Mahendra
-
- Kumar Singhai, Modi Nagar Ward, Sagar.
-
- (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
-
- of 45 days from the date of publication of this
-
- notice in the Official Gazette or a period of 30
-
- days from the service of notice on the respective
-
- persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immo-
-
- vable property, within 45 days from the date of
-
- the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 18 at Katra, Sagar.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, BhopalDate : 31-5-79
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Devendra Kumar Shivana Phatehpurkar R/o
3, Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ragbunath Mahadev Divekar 30, Bakshi Gali
Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 1st June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1271.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 29-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 30 Bakshi Gali, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 1-6-79
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Devendra Kumar S/o Shivana Phatepurkar
3 Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Nalini Bai W/o Shri Vinayak Mazumdar R/o
29, Bakshi Gali, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 1st June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1272.—Whereas, I, B. L. RAO,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore, on 30-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 30 Bakshi Gali, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 1-6-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 1st June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1273.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 30-10-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) Shri Devendra Kumar Shivana Phatehpurkar R/o 3, Saket Nagar, Indore. (Transferor)
(2) Shri Dattarya Govind Nalk, R/o 30, Baxi Gali, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house No. 30, Baxi Gali, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 1-6-79
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P.

Bhopal, the 1st June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1274.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 30-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Devendra Kumar Shivana Phathpurkar R/o 3, Saket Nagar, Indore.

(Transferor)

(2) Shri Bhaskar Ramchandra Sagorkar R/o 30, Baxi Gali, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House No. 30, Baxi Gali, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 1-6-79
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL M. P**

Bhopal, the 1st June 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/79-80/1275.—Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House (Part) situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 30-10-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
19—136GI/79

(1) Shri /Shrimati Malhar Rao S/o Tanya Sahib Holkar, Piplia Pala, Indore (& other family members).

(Transferor)

(2) 1. Smt. Parwatidevi w/o Shri Bhanwarlalji Mandovra, 2. Shri Krishnagopal s/o Sunderlalji Mandovra, Indore; 3. Smt. Rukmanidevi w/o Shri Kishangopalji Mandovra, Indore; 4. Smt. Santoshdevi w/o Rajendra Mandovra, Indore; 5. Smt. Kamladevi w/o Shri Om Prakash Mandovra, Indore; 6. Smt. Vimladevi w/o Shri Murlidharji Mandovra, Indore; 7. Dr. Sushilkumar s/o Kamalrajji Mandovra, Indore; 8. Smt. Sudhakumari d/o Shri Purshottamdasji Kabra, Bhopal.

(Transferee)

(All Transferees)

(3) (i) M/s Manohar Dresses; (ii) M/s Premchand Rajendrakumar; (iii) M/s Sab Rang Dresses; (iv) M/s K. R. Mandovra; (v) M/s B. S. Mandovra, (vi) Nauratanmal.

(Tenants)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property on north-east of building, at 34, Rajbada, Indore.

B. L. RAO

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date : 1-6-79

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1979

Ref. No. ASR/79-80/53.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land measuring 61K-14M situated at Vill : Fatehgarh Sukar Chak Teh. Asr. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil on 24th Oct. 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely : —

- (1) Shri Fauja Singh s/o Shri Sham Singh R/o Feteah Garh Sukar Chak, Tehsil Amritsar. (Transferor)
- (2) Capt. Raghbir Singh, Lakhwinder Singh, Jaswinder Singh ss/o Shri Mohan Singh, President of Verka Tehsil and Distt : Amritsar. (Transferee)
- * (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- * (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 61K-14M situated at village Feteah Garh Sukar Chak, Tehsil Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 3851 dated 24-10-78 of Registering Authority, Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1979

Ref. No. ASR/79-80/54.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agri. land measuring 30K-16M situated at Vill: Rakhjhita Teshi Asr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar Tehsil in 25 Oct. 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following Persons, namely:—

- (1) Shri Mulkh Raj s/o Shri Guranditta Mal, Smt. Bimla W/o Shri Jagjit Singh Rai, R/o Abadi Bhagat Singh Pura, Sultanwind, Amritsar. (Transferor)
- (2) Smt. Charanjit Kaur w/o Dr. Dewan Singh, R/o 1/10, Guru Nanak Dev University, Amritsar. (Transferee)
- * (3) As at Sl. No. 2 above and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- * (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30K-16M situated at village Rakhjhita Tehsil Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 3869 dated 25-10-78 of Registering Authority, Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-6-1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1979

Ref. No. ASR/TT/79-80/55.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 63K-114M situated at Vill : Bandala Teh. T. Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tarn taran on 19th October 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Thakar Singh s/o. Sh. Bhagat Singh R/o Village Arka, Tehsil Tarn Taran, Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Lakhbir Singh s/o Shri Jarnail Singh resident of village Bandala, Tehsil Tarn Taran, Distt. Amritsar. (Transferee)
- * (3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- * (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 63K-114M situated at village Bandala tehsil tarn taran as mentioned in the Regd. Deed No. 4372 of 19-10-78 of Registering Authority Tarn Taran.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-6-1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1979

Ref. No. ASR/79-80/56.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agrl. land measuring 42K-14M situated at vill : Rakhjhita Teh. Asr.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Amritsar Tehsil on 26th Oct., 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
13-126GI/79

- (1) Thakar Naveen Chand s/o Shri Jagdish Chand R/o Rakhjhita Now at Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Parveen Chand s/o Thakar Jagdish Chand, R/o Rakhjheeta. (Transferee)
- * (3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- * (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 42K-14M situated at village Rakhjhita as mentioned in the Regd. Deed No. 3888 dated 26-10-78 of Registering Authority, Amritsar Tehsil.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-6-1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1979

Ref. No. TT/79-80/57.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land measuring 42K-4M situated at vill : Pandori Gola Teh. T. Taran (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tehsil Tarn Taran on 26-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Hazara Singh s/o Shri Fauja Singh village Pandori Gola, Tehsil Tarn Taran Distt. Amritsar. (Transferor)
- (2) Biro D/o Shri Hazara Singh R/o Village Pandori Gola, Tehsil Tarn Taran, Distt : Amritsar. (Transferee)
- * (3) As at Sl. No. 2 above mentioned and tenant(s) if any. (Person in occupation of the property)
- * (4) Any other person interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 42K-4M situated at village Pandori Gola, Tehsil Tarn Taran, Distt Amritsar as mentioned in the Regd. Deed No. 4446 dated 26-10-78 of Registering Authority, Tarn Taran.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-6-1979
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, AMRITSAR**

Amritsar, the 1st June 1979

Ref. No. ASR/79-80/58.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One building on land measuring 1800 sq. mtrs. situated at old Jail Road, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in 16-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Chand Rani D/o Sh. Durga Dass R/o 6-Old Jail Road, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Surjit Singh, Tejinder Singh ss/o Sh. Kirpal Singh, Smt. Jatinder w/o Sh. Surjit Singh Smt. Meena Tee Singh w/o Sh. Tajinder Singh, r/o Dhab Wasti Ram, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One kothi bearing No. 6 Private situated at Old Jail Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3019 dated 16-11-78 of registering authority Amritsar City.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 1st June 1979

Ref. No. ASR/79-80/59.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One building 24 storeyed situated at Kot Baba Deep Singh Jee situated at Bazar No. 4, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City in 24-11-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Jeet Kaur w/o Sh. Bakshish Singh r/o Bazar No. 4, Kot Baba Deep Singhji, Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Surinder Singh, Surbir Singh, Harcharan Singh ss/o Sh. Sujan Singh r/o Gale Shahcedanwal Chowk Prag Dass, Amritsar.
(Transferee)
- (3) As at Sl. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One 24 storeyed building bearing No. 8851/16-32 situated in gali No. 4, Kot Baba Deep Singh, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3122 dated 24-11-78 of registering Authority Amritsar City.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 1-6-1979
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd June 1979

Ref. No. GSP/79-80/60.—Whereas, I M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

One plot measuring 3 kanals 6 marlas Civil Lines, Gurdaspur situated at along with super structure (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Gurdaspur on 25-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

20—136GI/79

1. Sh. Sant Nirankari Mandal, Registered Delhi through Sh. Hari Ram, Mukhtar Khas.

(Transferor)

2. Sh. Mandeep Bedi s/o Sh. G. S. Bedi, resident of Gurdaspur,

(Transferee)

3. As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person(s) in occupation of the Property)

4. Any other person(s) interested in the property.
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THIS SCHEDULE

One plot of land measuring 3 kanals 6 marlas along with super structure situated in civil lines, Gurdaspur as mentioned in the registered deed No. 4437 dated 25-10-78 of registering Authority, Gurdaspur.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Dated : 2-6-79
Seal :.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd June 1979

Ref. No. GSP/79-80/61.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. One Kothi situated in Civil Lines, Gurdaspur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur in 25-10-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s. Nirankari Mandal Registered Delhi through Sh. Hari Ram Mukhtaar—Khas. (Transferor)
- (2) Sardarni Raj Bedi w/o Sh. G. S. Bedi, r/o Gurdaspur. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any. [Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property. [Person(s) whom the undersigned known to be Interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One building known as old D.C.'s kothi situated at Civil Lines Gurdaspur as mentioned in registered deed No. 4438 dated 25-10-78 of registering Authority, Gurdaspur.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-6-1979
Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd June 1979

Ref. No. ASR/79-80/62.—Whereas I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of plot bearing Khasra No. 831 min situated at Tung Bala Circular Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Amritsar City on 26-10-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shrimati Prem Sham w/o Dr. Radhey Sham r/o Amritsar.
(Transferor)
- (2) Sh. Balcharanjit Singh s/o Sh. Kartar Singh r/o H. No. 502, Akal Garh, Qadian, District Gurdaspur.
2. Shmt. Satwant Kaur w/o Sh. Harbhajan Singh r/o Kothi No. 592D, Sector 33-D, Chandigarh.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overlaf and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be Interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

One half (1/2) share of plot bearing khasra No. 831 min. situated at Tung Bala, Circular Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2714/1 dated 26-10-78 of registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd June 1979

Ref. No. ASR/79-80/63.—Whereas I, M. K. DHAR being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land No. 2802 & 2804 old and new No. 2522 to 2525/1-23 situated at Cheel Madni Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 15-11-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sh. Tarlochan Singh s/o Sh. Nihal Singh
r/o H. No. 2802/1 Cheel Mandi,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Sh. Puran Chand Kishan Chand ss/o Sh. Bakhu Ram r/o 2612-13/1 Mahan Singh Gate,
Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be
Interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 2802 to 2804/1 old and New No. 2522 to 2625/1-23 situated at Cheel Mandi, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 3001/1 dated 15-11-78 of registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd June 1979

Ref. No. ASR/79-80/64.—Whereas I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. One plot No. 2802 to 2804/1 Min situated in Cheel Mandi, ASR (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 13-12-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely :—

- (1) Sh. Tarlochan Singh s/o Sh. Nihal Singh
2499/1-23, Cheel Mandi,
Amritsar. (Transferor)
- (2) Shri Soni Ram s/o Sh. Lachhman Dass
r/o Magbool Pura, Amritsar.
C/o Jiwan Jyoti Free Hospital, Amritsar. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned, knows to be Interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land bearing No. 2802 to 2804/1 min situated at Cheel Mandi, Amritsar as mentioned in registered deed No. 3366/1 of 13-12-78 of registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-6-1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 2nd June 1979

Ref. No. ASR/79-80/65.—Whereas I, M. K. DHAR being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of plot khasra No. 831, Circular Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amritsar City on 2-11-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

- (1) Smt. Prem Sham w/o Dr. Radhey Sham
r/o Amritsar Circular Road.
(Transferor)
- (2) (i) Shri Balcharanjit Singh s/o Sh. Kartar Singh
r/o H. No. 502, Akal Garh, Qadian,
Dist. Gurdaspur.
(ii) Smt. Satwant Kaur w/o Sh. Harbhajan Singh
r/o Kothi No. 1592, sector 33/D,
Chandigarh.
(Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any.
[Person(s) in occupation of the Property]
- (4) Any other person(s) interested in the property.
[Person(s) whom the undersigned knows to be
Interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of plot bearing Khasra No. 831 min situated at Tung Bala, Circular Road, Amritsar as mentioned in the registered deed No. 2760/1 dated 2-11-78, of registering Authority, Amritsar City.

M. K. DHAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 2-6-1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/158/78-79.—Whereas I, NATHU RAM
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhianabeing the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.No. Part of house property No. 4493/5, Part II & III, situated
Jagdish Ashram, Patiala(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908), in the office of the Registering Officer at
Patiala in November, 1978for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
-
- the transferor to pay tax under the said Act, in
-
- respect of any income arising from the transfer;
-
- and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
-
- moneys or other assets which have not been or
-
- which ought to be disclosed by the transferee for
-
- the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
-
- (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
-
- Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

- (1) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Sh. Keshab Dayal
-
- Sodhi and Smt. Amrit Kaur w/o Sh. Keshab Dayal
-
- Singh Sodhi, Sodhi Bhawan, Sirhandi Bazar,
-
- Patiala.

(Transferor)

- (2) Dr. Charanjit Khurana s/o Sh. Amir Chand,
-
- Dr. Maheshinder Singh s/o Sh. Manjit Singh
-
- r/o Rajindra Hospital,
-
- Patiala.

Sh. Mohan Bhutani s/o Hakam Chand &
Sh. Pankaj Bhutani s/o Sh. Mohan Bhutani of
Dhanbad, H. No. 4493/5, Near Jagdish Ashram,
Patala.

(Transferee)

- (3) Shri Bhupinder Kumar Gupta,
-
- r/o H. No. 4493/5, Jagdish Ashram, Patiala.
-
- (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
-
- 45 days from the date of publication of this notice
-
- in the Official Gazette or a period of 30 days from
-
- the service of notice on the respective persons,
-
- whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-
-
- able property, within 45 days from the date of the
-
- publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House property No. 4493/5, Situated at Badurgar
Road, Jagdish Ashram, Patiala.(The property as mentioned in the Registered Deed No.
3935 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/157/78-79.—Whereas I NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Part of house property No. 4493, Part II & III situated at Dr. Jagdish Marg, Badungar Road, Near Jagdish Ashram, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Sh. Keshab Dayal Sodhi & Shmt. Amrit Kaur w/o S. Keshab Dayal Sodhi, Sodhi Bhawan, Sirhandi Bazar, Patiala.
(Transferor)

(1)(1) Dr. Charanjit Khurana s/o Sh. Amir Chand,
(2) Dr. Maheshinder Singh s/o Manjit Singh
r/o Rajindera Hospital, Patiala,
(3) Sh. Mohan Bhutani s/o Sh. Hukam Chand and
(4) Shri Pankaj Bhutani s/o Sh. Mohan Bhutani of
Dhanbad,
R/O H. No. 4493/5, Badungar Road, Patiala.
(Transferee)

(3) Shri Bhupinder Kumar Gupta,
s/o Shri Brij Lal
r/o H. No. 4493/5, Jagdish Ashram, Patiala.
(Person in occupation of the Property)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House property No. 4493/5, Situated at Badungar Road, Jagdish Ashram, Patiala.

(The property asmentioned in the Registered Deed No. 3934 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) S/Shri Tarlok Singh and Devinder Singh sons of
Sh. Dewan Singh
r/o Bhupinder Road, Patiala.
(Transferor)

- (2) Shri Jasbir Singh and Amritbir Singh & Smt. Pritam
Kaur sons & widow of Shri Gurcharan Singh R/o
Lehal, Patiala.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/163/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. Plot measuring 666.5 Sq. yds. situated at Lehal Patiala
situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering officer at
Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—
21—136GI/79

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act', shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 666.5 Sq. yds. situated at Lehal, Patiala.
(The property as mentioned in the Registered Deed No.
3988 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/159/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 666.5 Sq. yds. situated at Lehal, situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in November, 1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the said Act to the following Persons; namely :—

- (1) S/Shri Tarlok Singh & Devinder Singh sons of Shri Dewan Singh R/O Bhupinder Road, Patiala.
(Transferor)
- (2) Shri Jasbir Singh & Amritbir Singh sons of Shri Gurcharan Singh R/o Lehal, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 666.5 Sq. yds. situated at Lehal, Patiala.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3936 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/190/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 2 Kanal situated at Village Tripari, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurinder Singh s/o Sh. Hardev Singh, r/o Patiala.

(2) Shri Lal Inder Singh s/o Sh. Sukhinder Singh, R/O Tripari, Patiala.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kanal situated at Village Tripari, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 4559 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/191/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. No. Land measuring 2 kanal situated at Village Tripari, Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto, has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Gurinder Singh s/o Sh. Hardev Singh r/o Patiala.
- (2) Shri Harjinder Singh s/o Shri Sukhinder Singh, R/O Tripari, Patiala.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 2 kanal situated at Village Tripari, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 4560 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/173/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 4 kanal situated at Tripari, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Jaswant Kaur w/o Sh. Rajinder Singh Grewal, Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.
- (2) Smt. Kamlesh Bansal w/o Shri Subash Kumar Bansal 1553-Purana Gadda Khana, Arya Samaj, Patiala.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 4 kanal situated at Tripari, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 4222 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/273/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 kanal 14 marlas situated at Village Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Hardev Singh Grewal
s/o Harcharan Singh Grewal,
r/o Bibrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Jasbir Singh & Sh. Amritbir Singh sons of
Shri Gurcharan Singh R/o 133, Punjabi Bagh,
Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal 14 marlas situated at Village Tripari Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 5745 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6th June 1979

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/254/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 kanal 7½ marlas situated at Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Harjit Singht Grewal
s/o Sh. Hardev Singh Grewal
R/o Babrian Road, Labori Gate, Patiala.
(Transferor)

(2) Shri Amritbir Singh
s/o Sh. Gurcharan Singh and Smt. Raminder Kaur
w/o Sh. Jasbir Singh
r/o 133, Punjabi Bagh, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal 7½ marlas situated at Village Tripari Saidan Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5595 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6th June, 1979

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/256/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 4 kanal 11 marlas situated at Village, Tripari Saidan, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Patiala in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Harjit Singht Grewal
s/o Sh. Hardev Singh Grewal
R/o Babrian Road, Lahori Gate, Patiala.
(Transferor)
- (2) Smt. Pritam Kaur wd/o Sh. Gutcharan Singh,
Smt. Kuljinder Kaur w/o Sh. Amritbir Singh,
R/o 133, Punjabi Bagh, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 kanal 11 marlas situated at Village Tripari Saidan, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5611 of February, 1979 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/199/7 379.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 3 kanal 11 marlas situated at Village, Tripari Saidan, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
22—136GI/79

(1) Shri Gurinder Singh Grewal
s/o Hardev Singh Grewal.
R/o Babrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Jagdev Singh s/o Sh. Bhagwant Singh
r/o Chang Teh. & Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanal 11 Marlas situated at Village, Tripari, Patiala.)

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4740 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6th June 1979.
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. SOL/17/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot measuring 964 Sq. meters situated in Sair, Solan, situated at Solan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Solan in October, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri B. C. Madhok s/o Sh. Rattan Lal,
r/o Model Town, Ambala City.

(Transferor)

- (2) (i) Sh. Jiwan Lal Goel s/o Sh. Sunder Lal Goel
Field Officer, I.L.C. Solan.
(ii) Sh. Shiv Nath Singh Tyagi, Lecturer, Govt. College, Nalagarh.
(iii) Smt. Kusam Lata Goel d/o Sh. Brij Bhushan,
Tank Road, Solan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 964 Sq. Meters situated at Sair, Solan.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 260 of dated 21-10-1978 of the Registering Officer, Solan).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/212/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot of land measuring 3 kanal 4 marla situated at Vill. Tripari Saidan, Patiala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in January, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Gurinder Singh Grewal
s/o Sh. Hardev Singh Grewal,
R/O Babrian Road, Lahori Gate, Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Amarjit Singh s/o Shri Bhagwan Singh,
R/o Chang, Teh. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanal 4 marlas situated at Village Tripari, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5090 of January, 1979 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/197/78-79.—Whereas J. NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 3 kanal 7 marlas situated at Village Tripari, Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in December, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Harjit Singh s/o Sh. Hardev Singh,
P/o Subbar Road, Lohri Gate, Patiala.
(Transferor)
- (2) Smt. Manja Kaur w/o Sh. Iqbal Singh,
P/o Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property must be written to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 3 kanal 7 marlas situated at Village Tripari, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4708 of December, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979
Seal :

FORM 11NS

(1) Mrs. Sharda Sagoonja wd/o Lt. Col. D. P. Sagoonja
House No. 1487, Sector 15, Faridabad.

(Transferor)

(2) Lt. Col. K. D. R. Sharma s/o Late Pt. Sant Ram,
R/O 3094, Sector 28-D, Chandigarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. CHD/247/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 21,000/- and bearing No. Plot measuring 528.13 Sq. yard bearing No. 1529, Sector 33-D, situated at Chandigarh (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 528.13 Sq. yds. bearing No. 1529, Sector 33-D, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 705, of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/137/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 80 Kanal 13 Marlas situated in Village Bhatian, Teh. & Distt. Patiala, situated at V. Bhatian Teh. & Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in Oct. 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269 D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Chhaju s/o Shri Ratna, R/o
V. Bhatian, Teh. & Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Shri Nathu Ram s/o Shri Bakshi Ram,
r/o Village Bhatian Teh. & Distt. Patiala.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 80 Kanal 13 Marlas situated at Village Bhatian, Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3637, of October, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. CHD/242/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23 storeyed Building bearing No. 679, Sector 20-A Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Amer Kaur w/o Sh. Gian Singh,
R/o House No. 219 Sector 35-A, Chandigarh.
(Transferor)

(2) Shri Piare Lal s/o Shri Pritan Chand and,
S/Shri Pirm Sagar and Om Parkash sons of Sh.
Piare Lal all r/o H. No. 679, Sector 20-A,
Chandigarh.

(Transferee)

(3) 1. Shri K. C. Kaushik, 1st floor
2. Shri H. K. Juneja, 1st floor.
3. Shri Bhupinder Kumar, 2nd floor.
r/o H. No. 679/20-A, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 679, Sector 20-A, Chandigarh.
(The property as mentioned in the Registered Deed No. 655 of November, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6th June 1979
Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri Mannohan Krishan Gaur s/o Sh. Raja Ram,
r/o 5-3/1 Gobind Colony, Rajpura Township,
(at present F-4/1 Melvia Nagar, New Delhi.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Shikuntha Devi w/o Sh. Hira Lal,
P/O Dal Mandi, Buland Shahr (U.P.),
at present r/o 5-3/1 Gobind Colony, Rajpura Town.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. RAJ/19/78-79.—Whereas I, NATHU RAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana;

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. House property No. 5-3/1 Gobind Colony, Rajpura
Township situated at Rajpura Distt, Patiala
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rajpura in December, 1978

for an apparent consideration which is less than
the fair market value of the aforesaid property, and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

Objection, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XCIA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property No. 5-3/1, Gobind Colony, Rajpura Town.
(The property as mentioned in the Registered Deed No.
2848 of December, 1978 of the Registering Officer, Rajpura).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 6th June 1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gurinder Singh Grewal s/o Shri Hardev Singh Grewal, R/o Mohalla Bibrian, Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kedar Kaur w/o Late Shri Manjit Singh r/o Mohalla Bhaikan, Sunam & Sh. Harjit Singh s/o Sh. Manjit Singh r/o Sanuar, Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/162/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 3 kanal 6 marlas situated at Tripari near Grewal Filling Station, Patiala (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in November 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 3 kanal 6 marlas situated at Tripari, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 3968 of November 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sh. Manbir Singh Grewal s/o Brig Balbir Singh,
through Smt. Savinderjit Kaur G.A.
r/o 8-A, Civil Lines, Bhatinda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) Shri Ashok Kumar s/o Sh. Mela Ram
c/o Ashok Store, Chowk Girja, Chaura Bazar,
Ludhiana.

(Transferees)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. LDH/135/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 portion of house property No. B-XIX-354-D, situated near Khalsa College for Women, Dr. Hira Singh Road, Civil Lines, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of house property No. B-XIX-354-D, situated near Khalsa College For Women, Dr. Hira Singh Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3270 of November, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. LDH/139/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/2 portion of house property No. B-XIX-354-D, Dr. Hira Singh Road, near Khalsa College for Women, Ludhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or exaction of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Manvir Singh Grewal s/o Brig. Balbir Singh through Smt. Savinderjit Kaur, G.A. R/o 8-A, Civil Lines, Bhatinda.

(Transferor)

(2) Shri Ashok Kumar s/o Shri Mela Ram, c/o N/s. Ashok Store, Girja Ghar, Chowk, Chaura Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of house property No. B-XIX-354-D, Dr. Hira Singh Road, near Khalsa College for Women, Civil Lines, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed 3336 of November, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/166/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Part of House No. 7565/5, Hira Nagar, Badungar, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jagjit Singh Sidhu s/o Ram Narain Singh, R/O H. No. 596, Sector 18-B, Chandigarh.
(Transferor)
- (2) Smt. Manjit Sodhi w/o Sh. Satnam Singh Sodhi, Sirhandi Bazar, Patiala.
(Transferee)
- (3) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Shri Keshav Dayal Singh r/o Sirhandi Bazar, Patiala.
(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House property No. 7565/5, Hira Nagar, Badungar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 4047 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6th June 1979
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jagjit Singh Sidhu s/o Sh. Ram Narain Singh
r/o H. No. 596, Sector 18-B, Chandigarh.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Shri Keshab Diyal
Singh Sirhandi Bazar, Patiala.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/151/78-79.—Whereas I, NATHU RAM,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition
Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Part of house property No. 7565/5, situated at Hira
Nagar, Badungar, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property, and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefore by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of the notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in said immovable
property within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House property No. 7565/5, Hira Nagar, Badungar,
Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No.
3817 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Jagjit Singh Sidhu s/o
Shri Ram Narain Singh
r/o 596/18B, Chandigarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Shri Keshavdayal Singh, Sirbindi Bazar, Patiala.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/150-A/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of property No. 7565/5, Hira Nagar, Bandugar, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of House property No. 7565/5, Hira Nagar, Bandugar, Patiala.

(Property as fully described in Registered Deed No. 3702 of October, 1978 of Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.**ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/150/78-79.—Whereas I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of property No. 7565/5, situated at Hira Nagar, Badungar Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in November, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) Shri Jagjit Singh Sidhu s/o Sh. Ram Narain Singh, H. No. 596, Sector 18-B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Smt. Manjit Sodhi w/o Sh. Satnam Singh Sodhi, r/o Sirhindi Bazar, Patiala. (Transferee)
- (3) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Sh. Keshavdial Singh R/o Sirhindi Bazar, Patiala. (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 7565/5, Hira Nagar, Badungar, Patiala. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 3816 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, LUDHIANA
CENTRAL REVENUE BUILDING**

Ludhiana, the 6th June 1979

Ref. No. PTA/167/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Part of House property No. 7565/5, Hira Nagar, Badungar, Patiala situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala on November 1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jagjit Singh s/o Shri Ram Narain Singh,
R/o H. No. 596, Sector 18-B, Chandigarh.
(Transferor)

- (2) Shri Satnam Singh Sodhi s/o Sh. Keshab Dial Singh
Sirhandi Bazar, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of house property No. 7565/5 Hira Nagar, Badungar, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 4048 of November, 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date : 6 June 1979
Seal :